■ वैशाख शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 271 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 30-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस और सपा के कार्यकाल के दौरान उनके एजेंडे में देश व आम जनता नहीं थी

6 शुभ कार्य करने का अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

7 दिल और दिमाग के लिए बेस्ट है 'ओम' का उच्चारण : भाग्यश्री

फर्स्ट टेक

रूस ने चीन को एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति की

मॉस्को/भाषा। रूस ने चीन को अत्याधुनिक एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की है जिसमें आश्चर्यजनक बातें हैं। लेकिन चीन अब भी कुछ बातों को लेकर परेशान है। स्थानीय समाचार पोर्टल 'एबीएन 24' ने यह जानकारी दी। रूसी 'एस-400 ट्रायम्फ' वायु रक्षा प्रणाली को अपनी श्रेणी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों के तौर पर प्रतिष्ठा प्राप्त है। उसे उनकी अच्छी विशेषताओं और विभिन्न प्रकार के हवाई लक्ष्यों को रोकने की क्षमता के लिए जाना जाता है। चीन ने 2014 में कई 'एस-400 ट्रायम्फ' खरीदने के लिए रूस के साथ अरबों डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। कई वर्षों बाद, उस सौदे के बारे में रोचक विवरण सामने आए। तब 'एबीएन 24' ने कहा कि इस सौदे ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया और इसे चीनी-रूसी सैन्य सहयोग का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना गया। इसे चीन द्वारा अपनी राष्ट्रीय वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी माना गया।

उत्तराखंडः आज शुरू होगी चारधाम यात्रा

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट छह माह बंद रहने के बाद अक्षय तृतीया के पर्व पर बुधवार को फिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट खुलने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो जाएगी हालांकि केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट क्रमश: दो मई और चार मई को खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अन्य सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। अधिकारियों ने बताया कि चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में अपार उत्साह नजर आ रहा है और अब तक देश-विदेश के 22 लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

चीन में रेस्तरां में आग लगने से 22 लोगों की मौत

बीजिंग/भाषा। चीन के लिओनिंग प्रांत के लिओयांग शहर में मंगलवार दोपहर एक रेस्तरां में आग लगने से 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के मुताबिक, रेस्तरां में आग दोपहर करीब 12.25 बजे लगी। फिलहाल इसकी वजह नहीं बताई गई है। हालांकि, घटना से जुड़ी तस्वीरों में रेस्तरां की खिड़कियों से आग की भीषण लपटें बाहर निकलती देखी जा सकती हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दुष्ट पड़ोसी

भारत की जन्म कुंडली में,
है दुष्ट पड़ोसी की छाया।
उत्पाती पाकिस्तान इधर,
तो उधर चीन भी बौराया।
अकड़े बांग्लादेश आज,
श्रीलंका रहता भरमाया।
ताबीज सभी का बना-बना,
सरकारों का मन उकताया।।

पहलगाम हमलाः प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,

सशस्त्र बलों को लक्ष्य, कार्रवाई का समय तय करने की पूरी छूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदी ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी अभियानगत छूट है।

मोदी ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मोदी ने कहा, ''आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है''।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की क्षमता में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। एक सूत्र ने मोदी के हवाले से कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी जवाबी कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय के बारे में फैसला लेने की पूरी अभियानगत छूट है। इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा उठाए जाने वाले संभावित कदमों पर विचार किए जाने के बीच हुई।

पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके आकाओं का पृथ्वी के अंतिम छोर तक पीछा करने और उन्हें उनकी कल्पना से परे कड़ी से कड़ी सजा देने का आह्वान किया है।

पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर पिछले कई वर्षों में हुआ सबसे घातक हमला है, जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश की लहर है और हमलावरों तथा उनके आकाओं के खिलाफ कठोर जवाबी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

प्रधानमंत्री की कठोर टिप्पणियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी सरकार के कड़े रुख के कारण भारत की ओर से करारी जवाबी कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई हैं। मोदी सरकार ने 2016 में उरी में सेना के जवानों पर आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के अंदर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी। उसने पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले को निशाना बनाए जाने के बाद पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमला किया था।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें पड़ोसी देश के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तीनों सेनाओं के प्रमुख और दो अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे।

जय भिक्षु अर्हम् जय महाश्रमण

अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव 2025
भावभरा आमंत्रण
दिनांक: 30.04.2025, बुधवार, प्रातः 9.00 बजे से
स्थल : THE IDEAL HOMES COMMUNITY HALL
1st Phase, 10th Cross Road, BHEL Layout, Ideal Homes Township, Rajarajeshwari Nagar Bengaluru -560098
Scan For Location
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

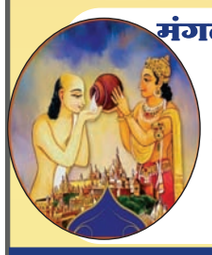

मंगल सान्निध्य : युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी
के विद्वान शिष्य डॉ मुनिश्री पुलकितकुमारजी
नचिकेता मुनिश्री आदित्यकुमारजी
गरिमामय उपस्थिति : आचार्य महामंडलेश्वर जगद्गुरु
श्री श्री श्री जयेंद्रपुरी महास्वामीजी पादसेवक पीठाधिपति
श्री कैलाश आश्रम महासंस्थान, राजराजेश्वरीनगर, बेंगलूरु

प्रायोजक : स्व. मातुश्री भूरीदेवी धर्मपत्नी स्व. मीश्रीमलजी बाफना की स्मृति में
श्री पारसमल-विजयादेवी, श्री संदीप-दीपिका, सुश्री गिनिशा, मास्टर जैनिश
एवं बाफना परिवार, पारलू-राजराजेश्वरीनगर-बेंगलूरु

विशिष्ट अतिथि : श्री कैलाशचंद्र जैन, IRS(R)
पूर्व प्रधान मुख्य आयुक्त, संयोजक-तेरापंथ कल्याण परिषद, प्रधान न्यासी-अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास

नोट : कार्यक्रम उपरांत भोजन की व्यवस्था रखी गई है।

आयोजक :
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरीनगर, बेंगलूरु

निवेदक : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ ट्रस्ट, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल,
तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम एवं समस्त सहयोगी संस्थाएं, राजराजेश्वरी नगर,बेंगलूरु

अध्यक्ष : राकेश छाजेड़ संयोजक : देवेन्द्र नाहटा मंत्री : गुलाब बाँठिया

ईडी ने चिटफंड मामले में गोल्डेनलैंड ग्रुप की 1428 करोड की संपत्ति कुर्क की

भुवनेश्वर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने एक चिटफंड मामले में 'गोल्डनलैंड ग्रुप ऑफ कंपनीज' की 1,428 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में दावा किया कि उसकी जांच से पता चला है कि 'गोल्डन लैंड डेवलपर्स लिमिटेड' और 'जीएलपी डेवलपर्स लिमिटेड' से जुड़े व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों ने 'रियल एस्टेट' विकास की आड़ में ओडिशा और आंध्र प्रदेश में जनता से अवैध रूप से भारी मात्रा में रकम जुटायी। ईडी ने आरोप लगाया कि उसने भोले-भाले लोगों को ऊंचे रिटर्न का झूठा वादा करते हुए 'भूखंड बुकिंग' की आड़ में एकमुश्त जमा, आवर्ती जमा और मासिक निवेश योजनाओं एवं अन्य अवैध वित्तीय कारोबार शुरू किये।

न्यायमूर्ति गवई अगले प्रधान न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को मंगलवार को भारत का अगला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति गवई 14 मई को सीजेआई का पदभार संभालेंगे। मौजूदा सीजेआई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो रहा है। विधि मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। न्याय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, ''संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को 14 मई, 2025 से भारत का प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया है।''

आरएसएस प्रमुख भागवत ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में, मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। बताया जा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह भी भागवत के साथ बैठक में मौजूद थे। पाकिस्तान से संबंध रखने वाले आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को किये गए आतंकी हमले के बाद, सरकार द्वारा जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार किए जाने के बीच प्रधानमंत्री आवास पर दोनों नेताओं (शाह और भागवत) ने अपने विचार साझा किए। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक आतंकी हमले के सिलसिले में हुई। आरएसएस को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शक माना जाता है, इसलिए यह बैठक मायने रखती है।

पाक रक्षा मंत्री का बयान बताता है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला 'दुष्ट देश' है : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलेआम कबूल किया है कि उनके देश का आतंकवादी संगठनों का समर्थन और वित्तपोषण करने का इतिहास रहा है, और यह कबूलनामा उजागर करता है कि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला एक ''दुष्ट देश'' है और क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद निरोधक कार्यालय के 'विक्टिम्स ऑफ टेररिज्म एसोसिएशन नेटवर्क' (वोटन) के डिजिटल सह प्रत्यक्ष (हाइब्रिड) उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया और पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले का संदर्भ दिए जाने पर अपने 'जवाब देने के अधिकार' का इस्तेमाल करते हुए इसका जोरदार तरीके से उत्तर दिया।

पटेल ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधि ने दुष्प्रचार करने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना है।'' उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को हाल में एक टेलीविजन साक्षात्कार में आतंकवादी संगठनों का समर्थन, प्रशिक्षण और वित्त पोषण करने के पाकिस्तान के इतिहास को कबूलते हुए सुना है।''

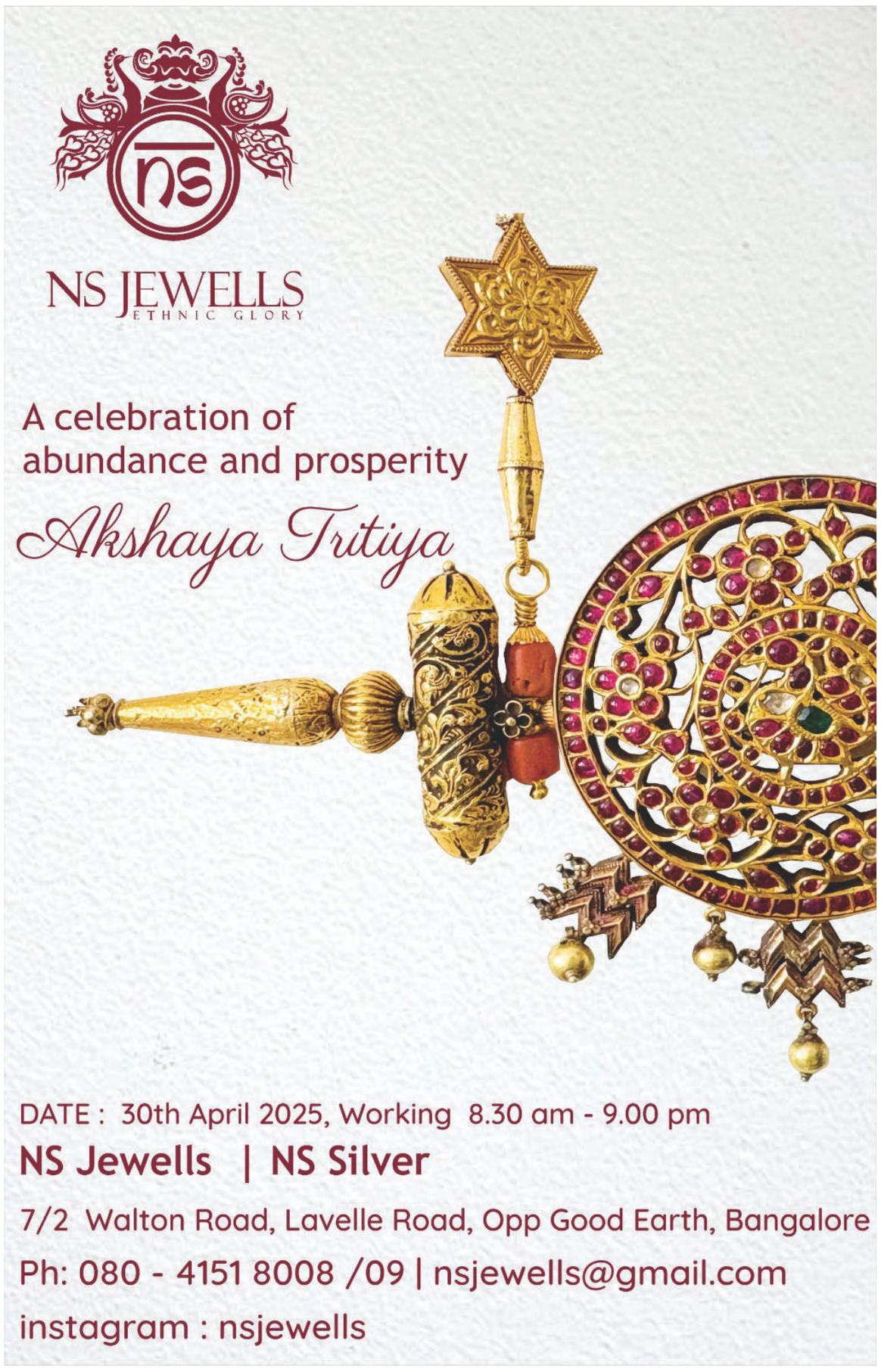

सही रणनीतियों के बल पर आगे बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था: वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सही रणनीतियों, लगातार घरेलू सुधारों और बुनियादी ढांचे के विकास तथा रोजगार सृजन पर पुरजोर ध्यान देकर आगे बढ़ेगी।

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। आर्थिक मामलों के विभाग की मासिक आर्थिक समीक्षा के मार्च संस्करण में कहा गया कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि वृहद आर्थिक स्थिरता, लचीला बाहरी क्षेत्र, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, कम होती मुद्रास्फीति, बेहतर रोजगार संभावनाओं और उच्च उपभोग व्यय से प्रेरित है।

इसमें कहा गया कि इस स्थिरता की कुंजी निजी पूंजी निर्माण के पास है और नियामक उपाय निजी क्षेत्र को अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं भारत के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं, लेकिन साथ ही इस वजह से तुलनात्मक बढ़त का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विनिर्माण में अपनी स्थिति को मजबूत करने का मौका भी है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत इन जोखिमों को कम कर सकता है। देश रणनीतिक व्यापार वार्ता, घरेलू सुधारों और विनिर्माण निवेशों में उभरते अवसरों का लाभ उठा सकता है।

मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक घटनाक्रमों से पैदा हुई अनिश्चितताएं वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि के लिहाज से एक प्रमुख जोखिम हैं।

निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं को इस जोखिम के प्रति सचेत रहना चाहिए और अनिश्चितता को खुद पर हावी होने से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

कांग्रेस ने अंबेडकर को ''दलित'' माना, भाजपा उन्हें ''ललित'' मानती है : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। कांग्रेस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की विरासत की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने मंगलवार को कहा कि देश के सबसे पुराने दल ने संविधान निर्माता को ''दलित'' मानकर उनके नाम का बार-बार इस्तेमाल तो किया, लेकिन उनका सम्मान नहीं किया।

वसुंधरा ने भाजपा के ''डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान'' के तहत इंदौर में आयोजित संगोष्ठी में कहा,''यह बात सही है कि कांग्रेस ने अंबेडकर की उपेक्षा की। अंबेडकर जैसा महान व्यक्तित्व कांग्रेस नेताओं के बीच था, परंतु वे सोचते थे कि जवाहरलाल नेहरू जैसे बड़े-बड़े लोग ही महान हैं। अंबेडकर का बड़प्पन दूसरे देशों ने समझ लिया, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे नहीं समझा।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर का नाम बार-बार इस्तेमाल किया, लेकिन यह पार्टी संविधान निर्माता का सम्मान करने में पीछे रही।

वसुंधरा ने कहा,''कांग्रेस ने अंबेडकर को दलित माना, जबकि भाजपा ने उन्हें ललित माना। ललित शब्द का मतलब होता है-सुंदर।''

भाजपा उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आज भी चुनावों के

दौरान कांग्रेस मानकर चलती है कि दलित समुदाय के लोगों के वोट उसकी जेब में है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,''अंबेडकर ने अपने जीवनकाल में लोगों को समझाया था कि कोई भी व्यक्ति किसी की जेब में नहीं है।

वसुंधरा ने कहा कि अंबेडकर केवल दलितों के नहीं, बल्कि सभी समुदायों के नेता थे। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने सभी समुदायों के लोगों को शिक्षा, समानता और मानवता का संदेश दिया।

वसुंधरा ने कहा कि अपनी भारी उपेक्षा से आहत अंबेडकर ने 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था क्योंकि वह ऐसे मंत्रिमंडल में कतई नहीं रहना चाहते थे जहां समाज के हर वर्ग की आवाज नहीं पहुंच सके।

भाजपा उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अंबेडकर को उनके जीवनकाल में अलग-अलग चुनाव हराने की कोशिश की। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस सरकार ने नई दिल्ली में छह दिसंबर 1956 को अंबेडकर के निधन के बाद उनके परिजनों को उनका दाह संस्कार राष्ट्रीय राजधानी के बजाय मुंबई में करने को मजबूर कर दिया था।

वसुंधरा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने नई दिल्ली के उस सरकारी आवास को राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया जहां अंबेडकर ने आखिरी सांस ली थी। उन्होंने अंबेडकर की विरासत सहेजने को लेकर मोदी सरकार के अलग-अलग काम गिनाते हुए कहा कि भाजपा अंबेडकर को अपना आदर्श मानती है।

वसुंधरा ने लक्ष्य हासिल करने के लिए अंबेडकर के सतत संघर्ष, संयम और परिश्रम की मिसाल देते हुए कहा,''राजनीति में लोग कहते हैं कि उन्हें कोई पद दे दिया जाए या उनके नाम की सिफारिश कर दी जाए। मैं ऐसे लोगों से कहती हूं कि वे अपना काम करते रहें और अगर वे अच्छा काम करेंगे तो उनका भी समय आएगा।'' संगोष्ठी में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए।

भारतीयों से शादी करने वाले पाकिस्तानियों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करें: मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को सरकार से उन पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुजारिश की, जिन्होंने भारतीयों से शादी की है और कई वर्षों से यहां रह रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। मुफ्ती ने 'एक्स' पर कहा, हाल ही में भारत से सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के सरकारी निर्देश ने गंभीर मानवीय चिंताएं पैदा की हैं, खास तौर पर जम्मू कश्मीर में। इससे प्रभावित होने वाली कई महिलाएं हैं, जो 30-40 साल पहले भारत आई थीं, भारतीय नागरिकों से शादी की, परिवार बसाया और लंबे समय से हमारे समाज का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से भारत में शांतिपूर्वक रह रहे लोगों को निर्वासित करना अमानवीय होगा और इससे उनके परिवारों पर गहरा भावनात्मक संकट आएगा।

मुफ्ती ने कहा, हम सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हैं। पूर्व आतंकवादियों से विवाहित कई पाकिस्तानी महिलाएं 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की नीति के तहत कश्मीर आ गईं। इस नीति के तहत उन आतंकवादियों का पुनर्वास संभव हुआ, जो हथियार प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान या पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर गए थे, लेकिन हिंसा का त्याग कर घाटी में वापस लौटना चाहते थे।

आईफोन बनाने वाली फॉक्सकॉन का भारत में राजस्व 20 अरब डॉलर के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता फॉक्सकॉन का भारत में राजस्व आईफोन उत्पादन में उछाल के कारण वित्त वर्ष 2024-25 में दोगुना से अधिक बढ़कर 20 अरब डॉलर (लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपए) हो गया। इस मामले से परिचित सूत्रों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में फॉक्सकॉन के कर्मचारियों की कुल संख्या भी 65 प्रतिशत बढ़कर लगभग 80,000 हो गई।

एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में फॉक्सकॉन का राजस्व दोगुना से अधिक होकर 20 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसके कर्मचारियों की संख्या भी 80,000 से अधिक हो गई है। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए फॉक्सकॉन को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। फॉक्सकॉन दिग्गज अमेरिकी कंपनी एप्पल के लोकप्रिय उत्पाद आईफोन का विनिर्माण करने के लिए जानी जाती है। एप्पल ने भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाने की घोषणा कर इसे और भी तेजी देने के संकेत दिए हैं।

भारत में विनिर्मित स्मार्टफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर को पार कर गया जिसमें अकेले आईफोन की हिस्सेदारी 1.5 लाख करोड़ रुपए की है।

सूत्रों ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में फॉक्सकॉन का राजस्व कई गुना बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि एप्पल कथित तौर पर अमेरिकी बाजार में बिक्री के लिए सभी आईफोन का विनिर्माण भारत में ही करने पर विचार कर रही है।

फॉक्सकॉन 2.8 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपए) के निवेश के साथ बेंगलूरु के पास देवनहल्ली में चीन के बाहर अपनी दूसरी सबसे बड़ी इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इस संयंत्र से 40,000 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

इसके अलावा फॉक्सकॉन उत्तर प्रदेश में एक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ भी चर्चा कर रही है।

विधानसभा के हिस्सों को खाली कराने के लिए मुख्य सचिव हस्तक्षेप करें: विजेंद्र गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा ने अपने परिसर में विभिन्न विभागों के कब्जे वाले हिस्सों को खाली कराकर वहां एक संग्रहालय, एक सभागार और एक प्रदर्शनी गैलरी स्थापित करने के लिए मुख्य सचिव से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

विधानसभा सचिवालय विधानसभा परिसर को राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख विरासत स्थल के रूप में विकसित कर रहा है। मुख्य सचिव धर्मेंद्र को हाल ही में लिखे पत्र में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा परिसर का एक बड़ा हिस्सा दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय, दिल्ली फार्मेसी काउंसिल और भारत सरकार के प्रकाशन विभाग के कब्जे में है।

गुप्ता ने कहा कि इस हिस्से को प्राथमिकता के आधार पर खाली किया जाना चाहिए ताकि वहां एक संग्रहालय, एक प्रदर्शनी गैलरी, एक सभागार और आगंतुकों के लिए सुविधाओं का निर्माण किया जा सके।

अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा सचिवालय द्वारा संबंधित विभागों को किए गए पत्राचार का कोई नतीजा नहीं निकला।

गुप्ता ने पत्र में कहा, मैं इस मामले में आपसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूं ताकि संबंधित विभागों को विधानसभा परिसर में उनके कब्जा वाले स्थानों को जल्द से जल्द खाली करने का निर्देश दिया जा सके, क्योंकि स्थान की आवश्यकता तुरंत है।

कश्मीर के पूर्व आतंकियों की पाकिस्तानी पत्नियों और बच्चों के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने मंगलवार को 60 पाकिस्तानियों को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिनमें से एक आतंकी हमले में मारे गए पुलिसकर्मी की मां भी हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी को विभिन्न जिलों से इकट्ठा करके बसों में पंजाब ले जाया गया, जहां उन्हें वाघा सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। निर्वासित किए जा रहे लोगों में अधिकतर पूर्व आतंकवादियों की पत्नियां और बच्चे हैं, जो पूर्व आतंकवादियों के लिए 2010 की पुनर्वास नीति के तहत घाटी में लौटे थे। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 36 पाकिस्तानी श्रीनगर में, नौ-नौ बारामूला और कुपवाड़ा में, चार बडगाम में और दो शोपियां जिले में रह रहे थे।

आतंकवादियों से लड़ते हुए मई 2022 में मारे गए विशेष पुलिस अधिकारी मुदासिर अहमद शेख की मां शमीमा अख्तर भी निर्वासित किए जा रहे लोगों में शामिल हैं। मुदासिर जम्मू कश्मीर पुलिस की एक टीम का हिस्सा थे, जिसने विदेशी आतंकवादियों के एक समूह को रोका था।

पहलगाम हमला: कांग्रेस ने की संसद के विशेष सत्र बुलाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुए हालत के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए ताकि आतंकवाद के खिलाफ देश के सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति को व्यक्त किया जा सके।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि 1994 में संसद से पारित उस संकल्प को फिर से दोहराने का समय आ गया है जिसमें जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताने के साथ ही पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले कश्मीर को खाली करने के लिए कहा गया था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार रात प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह आग्रह किया। पत्र में खरगे ने कहा, ''इस समय, जब एकता और एकजुटता जरूरी है, विपक्ष का मानना है कि जल्द से जल्द संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाए। यह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति की एक दृढ़ अभिव्यक्ति होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमें आशा है कि सत्र बुलाया जाएगा।'' राहुल गांधी ने पत्र 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि ''हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े हैं।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर भारतीय आक्रोशित है। इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े रहेंगे। विपक्ष का मानना है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, जहां जनता के प्रतिनिधि एकता और दृढ़ संकल्प दिखा सकें।''

हरियाणा में मां-बेटी से सामूहिक बलात्कार के बाद बेटी की हत्या, किशोर समेत चार पकड़े गये

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद में कूड़ा बीनने वाली एक महिला को उसकी झुग्गी से घसीटकर कूड़े के ढेर में ले जाया गया और उसके साथ कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया गया तथा उसकी पांच साल की बेटी के साथ भी दुष्कर्म किया गया एवं उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में पांच दिन बाद 26 अप्रैल को पुलिस ने एक किशोर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह वीभत्स घटना 21 अप्रैल की रात में हुई थी। तीन दिन बाद 35 वर्षीय इस महिला की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। महिला सदमे में थी और दो-तीन दिन बाद वह हिम्मत जुटा सकी। इस महिला का पड़ोसी से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उसे घसीटकर कूड़े के ढेर में ले जाया गया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। जब महिला के साथ वारदात हुई तब उसका पति घर पर नहीं था। अधिकारी के अनुसार, महिला की बेटी अपनी मां को ढूंढती रोती-चिल्लाती जब कूड़े के ढेर पर पहुंची तब आरोपियों ने उसके साथ भी बलात्कार किया एवं गला घोंटकर उसे मार डाला।

ईडी ने गोवा में जमीन हथियाने से जुडे पीएमएलए मामले में और 193 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने गोवा में ''जमीन हड़पने'' के एक मामले में धनशोधन जांच के तहत 193 करोड़ रुपए की नई संपत्ति कुर्क की है। इस मामले में धोखेबाजों ने मृत व्यक्तियों के नाम पर ''जाली'' दस्तावेज बनाकर महंगे भूखंड बेचे थे।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कलंगुट, अस्सागाओ, अंजुना, नेरुल और पारा क्षेत्रों समेत बारदेज़ तालुका में 24 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का अंतरिम आदेश 25 अप्रैल को जारी किया गया। बारदेज तालुका में इन संपत्तियों और मुख्य पर्यटन स्थलों पर अन्य संपत्तियों को 'जाली' विक्रय विलेखों के जरिए या तो तीसरे पक्ष को बेच दिया गया या सहयोगियों के नाम कर दी गयी। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि कुर्क की गयी संपत्तियों का बाजार मूल्य 193.49 करोड़ रुपए है। धन शोधन का यह मामला गोवा पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा तटीय राज्य में धोखाधड़ी और अवैध तरीके से भूमि अधिग्रहण के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। एसआईटी ने जालसाजी, धोखाधड़ी से अचल संपत्तियां हड़पने को लेकर कुछ लोगों के खिलाफ 'धोखाधड़ी' और 'अवैध' तरीके से जमीन खरीद की प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच में पाया कि धोखेबाजों ने मृत व्यक्तियों या पूर्वजों के नाम पर 'जाली' दस्तावेज/बिक्री विलेख बनाए। ईडी का कहना है कि इन जाली दस्तावेजों को असली के रूप में पेश करते हुए उन्होंने धोखाधड़ी से अपने नाम या अपने सहयोगियों के नाम गोवा सरकार के भूमि रिकॉर्ड में डाल दिए।

महाराष्ट्र सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दे दी। इसके तहत यात्री इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कुछ ईवी को टोल से भी छूट दी जाएगी। फडणवीस ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, ''राज्य सरकार ने नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत यात्री इलेक्ट्रिक वाहन को सब्सिडी दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण और उपयोग में वृद्धि होनी चाहिए।''

अमेरिकी अभियोग मामले की स्वतंत्र समीक्षा में कोई अनियमितता नहीं मिली: अदाणी ग्रीन एनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने कहा है कि अदाणी समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अदाणी एवं दो अन्य कंपनी अधिकारियों पर अमेरिकी अदालत में अभियोग लगाए जाने के मामले में नियामकीय अनुपालन की एक स्वतंत्र समीक्षा में कोई भी अनियमितता या गैर-अनुपालन नहीं पाया गया है।

पिछले साल नवंबर में अमेरिकी अधिकारियों ने अदाणी, उनके भतीजे एवं कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी और प्रबंध निदेशक विनीत एस जैन पर सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की कथित योजना में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके अलावा इन पर अमेरिकी निवेशकों से धन जुटाने की कोशिश करते समय अपनी योजना को छुपाने का आरोप भी लगा था। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी पर आरोप है कि सौर ऊर्जा बिक्री अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय

अधिकारियों को कथित रूप से 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत दी गई थी। इस अनुबंध से कंपनी को 20 वर्ष की अवधि में दो अरब डॉलर का लाभ होने का अनुमान था।

अदाणी समूह ने पहले सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इनकार किया था और कहा था कि वह अपना बचाव करने के लिए कानूनी विकल्प अपनाएगा। आरोपों के घेरे में आई कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के वित्तीय नतीजों की घोषणा में कहा है कि उसकी मूल कंपनी को अभियोग एवं दीवानी शिकायत में प्रतिवादी के रूप में नामित नहीं किया गया है और मामला आगे की कार्यवाही के लिए लंबित है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, परिचालन के बेहतर मानदंडों को बनाए रखने के लिए मूल कंपनी ने इस मामले में संबंधित गैर-अनुपालन, यदि कोई हो, के आकलन और मूल्यांकन के लिए स्वतंत्र विधि फर्मों को स्वतंत्र समीक्षा करने के लिए नियुक्त किया था। कंपनी ने कहा, इस तरह की स्वतंत्र समीक्षा ने भी मामले में किसी भी गैर-अनुपालन या अनियमितताओं की पहचान नहीं की। नवंबर 2024 में, अमेरिका के न्याय विभाग ने मूल कंपनी के दो कार्यकारी निदेशकों एवं एक गैर-कार्यकारी निदेशक के खिलाफ अभियोग दायर किया और प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग की तरफ से एक दीवानी शिकायत दर्ज की थी। कंपनी के मुताबिक, इन निदेशकों पर आपराधिक अभियोग में तीन मामलों में आरोप लगाए गए हैं जो कथित प्रतिभूति और धोखाधड़ी की साजिश, कथित धोखाधड़ी की साजिश रचने और झूठे एवं भ्रामक बयान देने के लिए कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी से संबंधित हैं। प्रतिभूति आयोग की दीवानी शिकायतों के मुताबिक, निदेशकों ने कुछ अहम कारकों को छोड़ दिया, जिससे प्रतिभूति अधिनियम 1933 और प्रतिभूति अधिनियम 1934 के तहत अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने वाले कुछ बयान सामने आए।

ओवैसी ने लोगों से की आज 15 मिनट के लिए लाइट बंद रखने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को लोगों से वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के तहत 30 अप्रैल को रात नौ बजे से सवा नौ बजे के बीच अपने घरों की लाइटें बंद करने की अपील की है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने कहा कि यह अधिनियम भारत के संविधान, विशेषकर

मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा वक्फ बोर्ड के कामकाज में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी से अपील करता हूं कि कल रात नौ बजे से सवा नौ बजे तक अपने घरों की लाइटें बंद कर दें ताकि नरेन्द्र मोदी सरकार को यह संदेश जाए कि वक्फ संशोधन कानून भारत के संविधान, विशेषकर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।''

एआईएमआईएम मुख्यालय दारुस्सलाम में 20 अप्रैल को एआईएमपीएलबी द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता।

मैच के दौरान विवाद में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु शहर के बाहरी इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की कथित तौर पर कुछ लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी, जिसके बाद 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस घटना को 'भीड़ द्वारा हत्या' करार दिया और कहा कि उन्हें अभी तक रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को बहुत गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जब स्थानीय स्तर पर क्रिकेट मैच चल रहा था तो उस व्यक्ति ने कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए। पुलिस ने बताया कि मंगलूरु शहर के बाहरी इलाके कुडुपु गांव में भात्रा कल्लुर्ती मंदिर के पास 27 अप्रैल को अपराह्न करीब तीन बजे यह घटना हुई।

उन्होंने बताया कि मृतक की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। उस पर कथित तौर पर लाठी से हमला किया गया, जिसके कारण उसे कई चोट पहुंचीं और अंदरूनी रक्तस्राव हुआ। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। मंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मंदिर परिसर के पास शव मिलने के बाद पुलिस ने शुरु में इस घटना के संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। 28 अप्रैल को किए गए पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई कि कई चोट पहुंचने और इलाज के अभाव के कारण उसकी मौत हुई थी।

उन्होंने बताया कि एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मंगलूरु ग्रामीण पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 103(2) (पांच या अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस मामले

में अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और पुलिस कम से कम 10 और लोगों की तलाश कर रही है।

अग्रवाल ने कहा, इस मामले के मुख्य आरोपी की पहचान कुडुपु निवासी सचिन के रूप में हुई है। वह पहले से ही हमारी हिरासत में है। इस मामले में लगाई गई धारा बहुत कठोर है, यदि आरोप सिद्ध हो जाता है तो आरोपी को व्यक्तिगत रूप से या समूह के रूप में आजीवन कारावास और यहां तक ङ्कि मृत्युदंड की भी सजा सुनाई जा सकती है। हमने बीएनएस के तहत यह धारा लगाई है क्योंकि अपराध में पांच से अधिक लोग शामिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि शेष संदिग्धों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने कहा कि घटनाओं का क्रम जानने के लिए सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है।

गृह मंत्री परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भीड़ द्वारा हत्या की एक घटना की खबर मिली है लेकिन (मृतक का) नाम फिलहाल पता नहीं है और उसकी पहचान भी पता नहीं है...यह भी पता नहीं चल पाया है कि वह राज्य के बाहर से आया है या राज्य का ही है। मुझे बताया गया कि वह व्यक्ति कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' और इस तरह के अन्य नारे लगा रहा था जबकि वहां स्थानीय क्रिकेट मैच चल रहा था। जब उन्होंने यह सुना तो कुछ लोग एकत्र हुए और उसे पीटा। हालांकि मौके पर ही उसकी मौत नहीं हुई थी, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि सदमे और अन्य कारणों से उसकी मौत हो गई।

मंत्री ने शांति और सद्भाव की अपील करते हुए कहा, ''मुझे अभी वास्तविक रिपोर्ट मिलनी बाकी है और करीब 10 या 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा आगे की जांच जारी है। हम निश्चित रूप से इसे बहुत गंभीरता से लेंगे क्योंकि इस तरह की चीजें न केवल कर्नाटक में बल्कि कहीं भी नहीं होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक एक शांतिपूर्ण राज्य है और हम इस तरह की चीजों की अनुमति नहीं देना चाहते हैं। और मान लीजिए कि अगर उसने (पीड़ित ने) ''पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसा कुछ कहा भी था तो वे कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में लेने के बजाय उसे पुलिस को सौंप सकते थे।''

दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडूराव ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में इस हत्या की निंदा की और पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, क्रिकेट खेलते समय कुछ खिलाड़ियों और दूसरे समुदाय के एक युवक के बीच कहासुनी हो गई, जिसके परिणामस्वरूप मारपीट हुई।

उनके अनुसार, कई संदिग्धों को पहले ही हिरासत में ले लिया गया है तथा उचित जांच जारी है। राव ने कहा कि ऐसी घटनाएं सांप्रदायिक सद्भाव को खराब करती हैं। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मैं जनता से शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी के गायब वाले पोस्ट पर सप्तगिरि गौड़ा ने कहा, 'कांग्रेस का कार्य अच्छा संकेत नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 'एक्स' हैंडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए तथाकथित विवादित पोस्ट के बाद हंगामा तेज हो गया है। जरूरत के समय प्रधानमंत्री मोदी को गायब दिखाए जाने वाले पोस्ट पर भाजपा हमलावर है। इसी बीच कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के नेता सप्तगिरि गौड़ा ने कहा कांग्रेस के कार्य अच्छा संकेत नहीं दिखा रहे। दरअसल, सोमवार को देश की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तरफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गायब दर्शाया गया है। तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा गया है, 'जिम्मेदारी के समय – गायब'। इस पोस्ट के बाद देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस पर हमलावर है।

इसी बीच भाजपा युवा मोर्चा के नेता सप्तगिरि गौड़ा ने कहा, यह वास्तव में अनुचित है और, आप जानते हैं, कांग्रेस हमेशा से अपने सोशल मीडिया पर इसी तरह का व्यवहार करती रही है। उन्हें पता होना चाहिए कि किसी देश में प्रधानमंत्री की स्थिति को कैसे चित्रित किया जाए, क्योंकि खासकर जब दूसरे देश, चाहे वे पड़ोसी देश हों, जिस तरह का व्यवहार दिखा रहे हैं और ये लोग उसी तरह से काम कर रहे हैं, वास्तव में कांग्रेस के कार्य अच्छा संकेत नहीं हैं।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के भाजपा को सख्त चेतावनी देने और ये कहने पर की अगर उनकी पार्टी की गतिविधियां नहीं रुकीं तो वो राज्य में कहीं भी भाजपा को कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं देंगे, पर सप्तगिरी गौड़ा ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हम इसे एक चुनौती के रूप में लेते हैं, उन्हें जो करना है करने दीजिए। हम अपनी पार्टी लाइन के अनुसार काम करेंगे।

मंत्री परमेश्वर ने पुलिस अफसर के प्रति मुख्यमंत्री के बर्ताव पर भाजपा को जिम्मेदार ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को एक जनसभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के रवैये पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उनके कारण मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एक पुलिस अधिकारी पर अपना आपा खो बैठे। सिद्दरामय्या ने कथित तौर पर मंच पर एक पुलिस अधिकारी की ओर अपना हाथ उठाया और तुरंत नीचे भी कर लिया।

जिला मुख्यालय बेलगावी में सोमवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के विरोध में आंदोलन के दौरान जब मुख्यमंत्री वहां मौजूद लोगों को संबोधित करने के लिए खड़े हुए तो कुछ महिलाओं ने सिद्दरामय्या को काला झंडा दिखाया। मुख्यमंत्री इस अचानक हुए घटनाक्रम से परेशान हो गए और खराब सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराज हो गए।

हंगामे के बीच जैसे ही सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नारायण भरमनी मंच पर चढ़े और मुख्यमंत्री के पास पहुंचे तो उन्होंने कथित तौर पर उनकी ओर हाथ उठाया और तुरंत अपना हाथ नीचे कर लिया। बाद में उन्होंने अधिकारी पर चिल्लाते हुए कहा, बेलगावी के एसपी (पुलिस अधीक्षक) कौन है? यहां क्या हो रहा है? आप यहां क्या कर रहे हैं?

परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा कि उनके पास अखबारों में छपी खबरों के अलावा पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के नाराज होने के बारे में मेरे पास कोई और जानकारी नहीं है। मैं जानकारी जुटाऊंगा और बाद में इस पर प्रतिक्रिया दूंगा।'' मंत्री ने कहा, ''मेरे पास जो प्रारंभिक जानकारी है, वह यह है कि भाजपा की महिला मोर्चा की कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस की शॉल ओढ़कर कार्यक्रम स्थल में घुस गईं।''

जब कांग्रेस के अन्य नेता सभा को संबोधित कर रहे थे तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, ''जब मुख्यमंत्री बोलने के लिए खड़े हुए, तो उन्होंने उन्हें काला झंडा दिखाया और प्रदर्शन किया।'' परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक से यह पता लगाने को कहा है कि क्या कोई चूक हुई है।

भाजपा द्वारा सुरक्षा में चूक के आरोप पर परमेश्वर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की शॉल पहनकर नहीं, बल्कि अपनी पार्टी की शॉल पहनकर कार्यक्रम स्थल पर आना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अगर वे भाजपा की शॉल पहनकर कार्यक्रम स्थल पर आते, तो पुलिस को पता चल जाता कि सुरक्षा में चूक हुई है। उन्होंने जानना चाहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की शॉल पहनने का क्या नैतिक अधिकार है? इस घटना ने भाजपा को मुख्यमंत्री पर निशाना साधने का मौका दे दिया।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा ने कहा, ''ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी पर हाथ उठाना सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं है। यह कानून और कर्नाटक के लोगों पर हमला है।'' पार्टी ने डेथ ऑफ डेमोक्रेसी इन कर्नाटक' हैशटैग के साथ पोस्ट में कहा, ''यह नेतृत्व नहीं, तानाशाही है – औरंगजेब से कम नहीं। कर्नाटक के लिए काला दिन।''

भास्कर टी नागेंद्रप्पा ने क्रेडाई कर्नाटक के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

बेंगलूरु। क्रेडाई कर्नाटक ने 2025-27 के लिए भास्कर टी नागेंद्रप्पा को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। नेतृत्व के व्यापक ट्रैक रिकॉर्ड और रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, वह वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप डी रायकर से बागडोर संभाली। भास्कर अपने साथ संगठन को आगे बढ़ाने के लिए एक नया दृष्टिकोण और अभिनव रणनीति लेकर आए हैं। उनके मार्गदर्शन में, क्रेडाई कर्नाटक उभरती चुनौतियों का समाधान करने और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के अवसरों को भुनाने के लिए तैयार है।

भास्कर इससे पहले क्रेडाई बेंगलूरु (2021-2023) के अध्यक्ष और क्रेडाई कर्नाटक के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं, जिसके दौरान उन्होंने असाधारण रणनीतिक नेतृत्व का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर पर, वे क्रेडाई नेशनल में कौशल विकास समिति के अध्यक्ष के रूप में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहे हैं। कर्नाटक सरकार के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और क्रेडाई कर्नाटक के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह बदलाव हुआ। अन्य पदाधिकारियों में उदय शंकर शेट्टी उपाध्यक्ष-उत्तर, डी श्रीहरि उपाध्यक्ष-दक्षिण, महावीर एस मेहता सचिव, संयुक्त सचिव के रूप में ममता भरकतिया, पंचाक्षरी एस हीरेमठ को संयुक्त सचिव-उत्तर, श्री. अरुण पंडित एल को संयुक्त सचिव-दक्षिण, और कोषाध्यक्ष के रूप में धनराज तलमपल्ली बने हैं।

वायुसेना के कमांड अस्पताल में नए परिसर की आधारशिला रखी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना के कमांड अस्पताल में मंगलवार को एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर की मौजूदगी में नए बहुमंजिला अस्पताल परिसर की आधारशिला रखी गई और भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर वायुसेना मुख्यालय से महानिदेशक चिकित्सा सेवाएं (वायु) एयर मार्शल संदीप थरेजा भी मौजूद थे। बताया गया कि सीएचएएफबी का मौजूदा स्ट्रक्चर 157 साल पुराना है। यहां लगभग 3 लाख मरीजों की ओपीडी है, जिसमें सालाना 21,000 मरीज भर्ती होते हैं। बढ़ते कार्यभार के साथ ही स्वास्थ्य सेवा टेक्नोलॉजी में तेज प्रगति को शामिल करने और भविष्य में विस्तार की पर्याप्त गुंजाइश के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे की जरूरत है।

प्रोजेक्ट पूरा होने पर यह 800 बिस्तरों वाली अत्याधुनिक सुविधा होगी। इसमें 16 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक आईसीयू, उन्नत इमेजिंग सहित उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सेवाएं और न्यूमेटिक सिस्टम के साथ प्रयोगशाला सुविधाएं होंगी। स्मार्ट भवन प्रबंधन प्रणाली और ऑप्स रूम कुशल प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, ऊर्जा खपत, बुनियादी ढांचे के प्रभावी प्रबंधन और स्मार्ट जलवायु नियंत्रण की निगरानी के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

अस्पताल के शानदार डिजाइन घटक, जैसे निचली मंजिलों पर ओपीडी, विशाल लिफ्ट और एस्केलेटर, दिव्यांगों सहित रोगियों के लिए सुविधाजनक पहुंच उपलब्ध कराएंगे। डिजिटलीकरण और एकीकृत अस्पताल सूचना प्रणाली से मरीजों के इंतजार का समय कम हो जाएगा। राष्ट्रीय हरित भवन मानकों के अनुरूप, यह सुविधा गृह 3-स्टार मानदंडों का पालन करेगी, जिसमें वर्षा जल संचयन प्रणाली, एक मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा उत्पादन और उच्च क्षमता वाला अपशिष्ट उपचार संयंत्र शामिल होगा, जो टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देगा।

सेवारत कार्मिकों और सेवानिवृत्त सैनिकों सहित सशस्त्र बलों के परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देने में काफी सहायता के अलावा, नया अस्पताल परिसर सशस्त्र बलों के भीतर चिकित्सा प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भी काम करेगा। यह आत्मनिर्भर भारत' का एक शानदार प्रतीक होगा, जो पूरी तरह से स्वदेशी विशेषज्ञता के साथ डिजाइन, योजनाबद्ध और निर्मित होगा। एओसी-इन-सी का स्वागत सीएचएएफ के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल कौशिक चटर्जी ने किया। इस अवसर पर एचक्यूटीसी के वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी एयर मार्शल तेजबीर सिंह, वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी एयर वाइस मार्शल पीसीपी आनंद, वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी प्रशासन और एयर वाइस मार्शल रेणुका कुंटे, प्रशिक्षण कमान से प्रधान चिकित्सा अधिकारी तथा अस्पताल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पहलगाम हमला : देवेगौड़ा ने मोदी द्वारा लिए गए निर्णयों को पूर्ण समर्थन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने मंगलवार को कहा कि वह और उनकी पार्टी जनता दल (सेक्युलर) पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों और उनका समर्थन करने वाले लोगों को दंडित करने के वास्ते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्र सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों का पूरा समर्थन करती है। जद (एस) प्रमुख ने कहा कि इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए और सभी को प्रधानमंत्री और केंद्र द्वारा लिए गए निर्णयों को ''एकजुट होकर समर्थन'' देना चाहिए।

देवेगौड़ा ने कहा, ''केंद्र सरकार कश्मीर की घटना के संबंध में निर्णय लेगी। पहली बार आतंकवादियों ने पर्यटकों पर इस तरह का हिंसक हमला किया है। सरकार के पास जानकारी है कि पाकिस्तान के समर्थन से यह आतंकवादी हमला किया गया है।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पूरे देश और 140 करोड़ लोगों ने एक स्वर में कहा है कि वे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का समर्थन करेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, एक नागरिक होने के नाते और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल जद (एस) के अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सदस्य के रूप में तथा मंत्रिमंडल के हमारे मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और हमारी पार्टी के सदन के नेता एवं सांसद मल्लेश बाबू के साथ यह कहता हूं कि हम इस मामले में केंद्र सरकार द्वारा लिए जाने वाले सभी निर्णयों को पूरा समर्थन देते हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध खराब हो गए हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या घटना के बाद प्रधानमंत्री की ओर से उन्हें कोई फोन आया, इसके जवाब में गौड़ा ने कहा कि उन्हें कोई फोन नहीं आया है और यदि जरूरत पड़ी तो वह लिखित रूप में अपनी राय साझा करेंगे।

उन्होंने कहा, मोदी के नेतृत्व का पूरे देश और पूरी दुनिया में सम्मान है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई देशों और उनके नेताओं ने इस घटना की निंदा की है और भारत के प्रति समर्थन जताया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे में राजनीति नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय को ''एकजुट होकर समर्थन'' देना चाहिए।

देवेगौड़ा ने कहा, ''हमें अपनी एकता दिखानी चाहिए। ऐसी घटनाएं भविष्य में किसी भी कारण से नहीं होनी चाहिए। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए और इसके पीछे जो लोग हैं उन्हें भी सजा मिलनी चाहिए। इस संबंध में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और गृह मंत्री जो भी निर्णय लेंगे, मैं और मेरी पार्टी उसके लिए प्रतिबद्ध हैं।''

'भारत विरोधी' टिप्पणी को लेकर महिला चिकित्सक पुलिस जांच के दायरे में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु के एक निजी अस्पताल में कार्यरत एक महिला चिकित्सक कथित तौर पर सोशल मीडिया पर 'भारत विरोधी संदेश' पोस्ट करने को लेकर पुलिस जांच के दायरे में आ गई है।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। विवादित वीडियो पोस्ट में उक्त महिला चिकित्सक को कथित रूप से आई हेट इंडिया (मैं भारत से नफरत करती हूं) कहते हुए सुना जा सकता है। मंगलूरु पुलिस ने सोमवार को बताया कि उसने मामले को संज्ञान में लिया है और पोस्ट की प्रमाणिकता तथा बयान के संदर्भ की जांच की जा रही है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, फिलहाल हम अधिक जानकारी जुटा रहे हैं और यह सत्यापित कर रहे हैं कि क्या यह सामग्री किसी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करती है? पुलिस ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल करने के कुछ दिन बाद इस कंपनी ने भी यही मार्ग चुना।

सेबी के समक्ष सोमवार को दस्तावेजों के अनुसार, केनरा रोबेको एएमसी की तरह ही केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का आईपीओ प्रवर्तकों और एक निवेशक द्वारा 23.75 करोड़ शेयर की पूर्ण बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। बिक्री पेशकश के तहत, केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा, एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया-पैसिफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड 47.5 लाख शेयर बेचेगा और पंजाब नेशनल बैंक 9.5 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहा है। आईपीओं के पूरी तरह ओएफएस होने के कारण कंपनी को सार्वजनिक निर्गम से कोई आय प्राप्त नहीं होगी। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसके पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है तथा एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का गठन 2007 में किया गया था। यह भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र में एक प्रमुख बैंक-नेतृत्व वाली निजी कंपनी के रूप में उभरी है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094184, 4196, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए मद-दर निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीआएन/सी/ईटीएन-11 /2025-26 दिनांक 28.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीआएन/सी/ईटीएन-17 /2025-26 दिनांक 28.04.2025
कार्य का नाम	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में 7.2 मीटर (1 नग), एमवी.सैट.(12 नग) और वी.सैट. (3 नग) एंटेना के लिए नींव प्रदान करना (सिविल कार्य)।	एस.सी.सी. भवन पूर्वी ब्लॉक की पहली मंजिल में वरिष्ठ इंजीनियर के कमरे में कंसोल, कार्यस्थान और अन्य सहायक उपकरण प्रदान करना। एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु के एम.एस.ए. भवन में सम्मेलन कक्ष का नवीनीकरण (सिविल इंटीरियर कार्य)।
निविदा की अनुमानित लागत	₹ 16.83 लाख	₹ 21.40 लाख
निविदा प्रलेख ब्यौरा	ई-निविदा	ई-निविदा
पूरा करने की अवधि	02 (दो) माह	02 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	30.04.2025 के 14.30 बजे से 13.05.2025 के 16.30 बजे तक	30.04.2025 के 14.30 बजे से 13.05.2025 के 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	30.04.2025 के 15.30 बजे से 14.05.2025 के 16.30 बजे तक	30.04.2025 के 15.30 बजे से 14.05.2025 के 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण का जवाब देने की अंतिम तारीख	15.05.2025 के 16.30 बजे तक	15.05.2025 के 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख एवं समय	16.05.2025 के 14.30 बजे तक	16.05.2025 के 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख एवं समय	19.05.2025 को 11.30 बजे से	19.05.2025 को 11.30 बजे से
बयाना जमा (ईएमडी)	₹ 33,660/-	₹ 42,800/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

समूह प्रमुख-सीएमजी, इस्ट्रैक

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में हुआ उल्लेखनीय कार्य : खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और ऊर्जा के क्षेत्र में खासतौर से अक्षय ऊर्जा में राज्य में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। खट्टर ने मंगलवार को यहां मुख्यमंत्री आवास पर शर्मा के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम द्वारा दिसम्बर तक 355 करोड़ रूपये से अधिक का लाभ अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पीक ऑवर्स में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य में पंप स्टोरेज एवं बैटरी स्टोरेज की क्षमता को तेजी से विकसित किया जाए। खट्टर ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली

योजना में राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों में बताते हुए कहा कि इस योजना से प्रदूषण मुक्त एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि राज्य बजट 2025-26 में मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ते हुए 150 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत कार्यों में गति लाते हुए अधिक से अधिक परिवारों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी विभागों सहित उपभोक्ताओं के आवास पर स्मार्ट प्री-पेड मीटर्स लगाने को प्राथमिकता दी जाए।

इसमें केन्द्र सरकार द्वारा अंशदान भी दिया जाएगा। नगरीय विकास विभाग की समीक्षा के दौरान खट्टर ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय में सीवरेज अनिवार्य रूप से हो तथा आवश्यकतानुसार पुराने और जर्जर सीवरेज को बदलने तथा एलाइनमेंट ठीक करने के कार्य भी किए जाए। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों की मदद तथा अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग के लिए शुरू किये गए मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र को अच्छी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, जयपुर मेट्रो रेल, अमृत मिशन 2.0 जैसे केन्द्र द्वारा वित्तपोषित राजस्थान के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं और प्रधानमंत्री आवास योजना के विकास, विस्तार और वित्तीय मॉडल की समीक्षा की गई। इस अवसर पर केन्द्र और राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने सभी महत्वपूर्ण शहरी विकास परियोजनाओं के संबंध में खट्टर और शर्मा के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

सरिस्का में बाघिन ने तीन शावकों को दिया जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में एक बाघिन ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इसका पहला चित्र सामने आते ही सरिस्का प्रशासन, वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग के अधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वन विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि इनके साथ ही अब बाघों की संख्या बढ़कर 44 हो गई है। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए सरिस्का का लगातार विस्तार हो रहा है।

सभी नर बाघ अपना क्षेत्र बनाने के लिए अलवर शहर से लगते जंगल के मध्यवर्ती और मुख्य क्षेत्र के आसपास विचरण कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि राजस्थान स्थित सरिस्का बाघ संरक्षित अभयारण्य में एसटी 30 बाघिन को तीन शावकों के साथ देखा जाना वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में माना जा रहा है। यह बाघ पुनर्स्थापन कार्यक्रम के लिए मील का पत्थर है। वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा की गई नियमित निगरानी गश्त के दौरान इन्हें देखा गया था। करीब दो महीने के शावक बाघिन के साथ स्वस्थ देखे गये।

एसटी 30 बाघिन द्वारा पहली बार बच्चों को जन्म दिया गया है, जिसे 2023 में रणथंभौर से लाकर टेहला रेंज के भगानी क्षेत्र में छोड़ा गया था। एसटी 30 सरिस्का के बाघ पुनर्स्थापन नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और उसकी सफल प्रजनन प्रक्रिया संरक्षित अभयारण्य की सुधरती आवासीय स्थिति और प्रभावी प्रबंधन प्रयासों का सकारात्मक संकेत है। बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने बाघिन और उसके शावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी है, जिसमें कैमरा और जमीनी गश्त करके मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम किया जा रहा है।

हम संविधान की पुस्तकें घुमाने वाले नहीं हैं : बालमुकंद आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में जयपुर के हवा महल से विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने कहा है कि हम संविधान मानने वाले लोग हैं, संविधान की पुस्तकें घुमाने वाले नहीं हैं। राजस्थान में अलवर में परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रात में पहुंचे बालमुकुंद ने पत्रकारों से कहा कि उनके खिलाफ जो प्राथमिकी दर्ज हुई है, उसकी वह शिकायत नहीं करेंगे, संविधान में सबको अधिकार है। उनको लगा होगा, उन्होंने मामला दर्ज कराया है, लेकिन अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है कि मस्जिद वहां से बहुत दूर थी इसलिए जांच में सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में रहकर अगर कोई पाकिस्तान से प्रेम करेगा, आतंकवाद से प्रेम करेगा तो ऐसे कैसे चलेगा। उन्होंने जयपुर के दो विधायकों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। भेदभाव करते हैं।

धारा 144 लगी होने के बाद भी ये भीड़ इकट्ठा करके माहौल खराब करते हैं। बालमुकंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद का सफाया करना प्रमुख कार्य है और सफाई होना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ सभी समाजों को आवाज उठानी चाहिए, लेकिन यहां कुछ लोग तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए और उनको बचाने के लिए कौन सामने आया। वकील किसने खड़े किए और किस दल के वकील थे। यह सब को पता है। बालमुकंद ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में दो घटनाएं ऊरी और अब पहलगाम वाली हुई हैं। इतनी सुरक्षित जगह होने के बाद भी वहां इतने अंदर आतंकवादी किस तरीके से पहुंचे कौन उनमें सहयोगी रहा। स्थानीय लोगों में कौन शामिल रहा यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के पक्ष में खड़ी रही। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सनातनियों पर लगातार अत्याचार कर रही हैं और तुष्टीकरण की नीति अपनाई जा रही है।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि यह एक परिवार की पार्टी है। मां, बेटा बहन और जीजा। इनके अलावा इस पार्टी में बताओ कौन हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी भारतीय नहीं है इसलिए उनकी भावना देश से जुड़ी हुई भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि बालमुकंद आचार्य हाल ही जयपुर में एक धार्मिक स्थल के सामने पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा लगाने के दौरान एक वर्ग से तनातनी होने के चलते विवादों में आये। उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। इसी मामले में वह पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

दीया कुमारी ने किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक औषधालय का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को झुंझुनूं जिले में उदयपुरवाटी उपखंड के इंद्रपुरा गांव में धमाना शेखा सेवा संस्थान द्वारा निर्मित किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक औषधालय का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री बीकेएसएस महाविद्यालय द्वारा आयोजित बीएड, डीएलएड एवं फार्मेसी कॉलेज के सामूहिक वार्षिकोत्सव में भी पहुंची जहां उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन किया और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बजट में झुंझुनूं जिले को कई सौगाते मिली हैं और जरूरतों के मुताबिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मुख्य सड़क से इंद्रपुरा तक दो किलोमीटर सड़क और रींगस से उदयपुरवाटी वाया श्रीमाधोपुर -खण्डेला तक की सड़क का नवीनीकरण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन और विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्बू, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी सैनी, भामाशाह विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा, पूर्व कुलपति लोकेश शेखावत आदि मौजूद थे।

विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में केन्द्र सरकार का मिल रहा पूरा सहयोग : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की अहम भूमिका बताते हुए कहा है कि इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और प्रदेश में बिजली तंत्र तथा शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतार रही है, जिससे प्रदेश की आठ करोड़ जनता को लाभ मिल रहा हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजनाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें। शर्मा ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि हम राज्य के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है। इस लक्ष्य को हासिल करने में पीएम कुसुम योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत राज्य में कम समय में ही लगभग 800 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। पिछली राज्य सरकार की नीतियों की वजह से हमारी थर्मल इकाइयां कोयला आपूर्ति के संकट से जूझ रही थी लेकिन केन्द्र सरकार के सहयोग से अब हमारे थर्मल बिजलीघरों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की है। साथ ही फरवरी से अब तक की पीक डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट को भी पूरा किया गया है।

उन्होंने केंद्रीय विद्युत उत्पादन संयंत्रों के कॉमन पूल से प्रदेश को आवंटित अस्थाई विद्युत कोटे के रूप में पूरा सहयोग देने के लिए केन्द्र सरकार आभार व्यक्त किया। शर्मा ने खट्टर से प्रदेश की पीक ऑवर्स में बिजली की मांग के अनुरूप बिजली के आवंटन में बढ़ोतरी का आग्रह किया। जिस पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया। बैठक में पीएम ई-बस सेवा योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना के तहत राजस्थान को 675 बसों का प्रारम्भिक आवंटन हुआ था। राज्य सरकार के अनुरोध पर अब इसके लिए केन्द्र द्वारा अतिरिक्त 125 बसें भी दी जाएगी जिससे शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती मिलेगी। इस दौरान जयपुर मेट्रो परियोजना, अमृत 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) सहित विभिन्न योजनाओं की राज्य में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

सुनिश्चित करना होगा कि एआई हमारी परंपराओं को खतरे में न डालें : शेखावत

जयपुर, । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य है लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह संस्कृतियों, विविध परंपराओं या रचनात्मक समुदायों को खतरे में न डाले। यूएई के अबू धाबी में चल रहे कल्चर समिट2025 मोंडिएकल्ट में मंत्री स्तरीय संवाद में 'संस्कृति और मानव रचनात्मकता पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव' शीर्षक वाले सत्र में श्री शेखावत ने बताया कि भारत पारदर्शी, समावेशी, नैतिक, जिम्मेदार और हमारी समृद्ध सभ्यतागत विरासत में निहित एआई के निर्माण में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है।

शेखावत ने संयुक्त अरब अमीरात के संस्कृति मंत्री शेख सलेम बिन खालिद अल कासिमी, स्पेन के संस्कृति मंत्री अर्नेस्ट उर्टसुन और यूनेस्को में संस्कृति के सहायक महानिदेशक अर्नेस्टो रेनाटो ओटोन रामिरेज के साथ चर्चा भी की। कला संग्रहालय लौवर का दौरा शेखावत ने कला संग्रहालय लौवर, अबू धाबी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय कला, वास्तुकला और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम है, जो संस्कृतियों को जोड़ता है। शेखावत ने कहा कि यह अद्भुत संग्रहालय मानव रचनात्मकता के माध्यम से एक अनूठी यात्रा प्रदान करता है।

राज्य सरकार जलवायु विकास एवं नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान में जलवायु विकास एवं नेतृत्व के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राजस्थान की जलवायु मुख्यतः शुष्क से उप-आद्र मानसूनी है, जिससे राज्य के पश्चिमी भाग में अत्यधिक शुष्क एवं मरूस्थलीय जलवायु है जबकि पूर्वी भाग में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा और उप आद्र जलवायु है। यहां की जलवायु में गर्मी और सर्दी दोनो चरम तापमान पर होते हैं और वर्षा की मात्रा में भी अनियमितता होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में जलवायु परिवर्तन नीति बनाई हुई है जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना और इस दिशा में प्रभावी उपाय करना है। राजस्थान को भारत के सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में जाना जाता है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने के लिए राज्य कार्य योजना पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। राजस्थान को भारत के चार सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में पहचाना गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रति संवेदनशील है और इस दिशा में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई उपाय किये जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम व वर्षा में अप्रत्याक्षितता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में अत्यधिक गर्मी हो रही है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनौती है और राज्य सरकार इस दिशा में विकास और नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी उपाय किये जा रहे हैं। राज्य सरकार इस दिशा में अहम काम कर रही है।

राज्य पर्यावरण नीति के तहत मानव, स्वास्थ्य, कृषि पशुपालन, सौर ऊर्जा, उन्नत ऊर्जा, दक्षता और जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य की जलवायु नीति और कार्य योजना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समयबद्ध तरीके से चरणबद्ध कार्यवाही पर केन्द्रित है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सके और राज्य के विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

भीषण गर्मी जारी, बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को सुबह तक बीते 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा राज्य के जोधपुर संभाग में ऊष्ण लहर दर्ज की गई। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

इस दौरान न्यूनतम तापमान डूंगरपुर में 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार, पूर्वी राजस्थान में 29-30 अप्रैल को कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है। वहीं मई के पहले सप्ताह में बादलों की गरज के साथ आंधी-बारिश की गतिविधियों से तापमान में गिरावट हो सकती है।

राजस्थान से 109 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राजस्थान से 109 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है जबकि 841 पाकिस्तानी नागरिकों ने दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यालय की सूचना के अनुसार विभिन्न वीजा लेकर राजस्थान प्रवास पर आए 841 पाकिस्तानी नागरिकों ने दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन किया है। प्रवक्ता के अनुसार, गत दिनों में वीजा पर आए 109 पाकिस्तानी नागरिकों को हाल ही में राजस्थान से वापस पाकिस्तान भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत सप्ताह पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए थे।

पहलगाम आतंकी हमलाः जन्मदिन नहीं मनाएंगे गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर तीन मई को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। गहलोत ने कहा, पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले ने हम सभी को अंदर तक व्यथित कर दिया है।

परिवार के साथ सुखद समय बिताने के उद्देश्य से गए लोगों के लिए यह यात्रा एक जीवन भर का दुख दे गई। उन्होंने कहा, अभी तक उन परिवारों की मन:स्थिति सोचकर मन सिहर उठता है जिनके परिजनों को उनके सामने मार दिया गया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ऐसे समय में मैंने इस वर्ष तीन मई को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है।

कांग्रेस और सपा के कार्यकाल के दौरान उनके एजेंडे में देश व आम जनता नहीं थी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2014 से पहले कांग्रेस के एजेंडे में देश नहीं था और राज्य में 2017 से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के एजेंडे में आम जनता नहीं थी।

आदित्यनाथ ने गोरखपुर के चरगावां में 9.89 करोड़ रुपए की लागत से 200 टन प्रति दिन (टीपीडी) क्षमता वाले कूड़ा स्थानांतरण स्टेशन (जीटीएस) के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 2014 से पहले सरकार (कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के एजेंडे में देश नहीं था और 2017 से पहले राज्य में सरकार (सपा) के एजेंडे में आम जनता नहीं थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके (कांग्रेस और सपा) द्वारा हर काम को वोट के नजरिए से देखा जाता था इसलिए देश और प्रदेश की जो दुर्गति हुई है, वह सबके सामने है।

योगी ने कहा, ये वो लोग हैं, जो सत्ता में रहते हुए कुछ नहीं कर पाए। काम करने के लिए दृष्टिकोण की जरूरत होती है, दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए इच्छाशक्ति की जरूरत होती है और इच्छाशक्ति के साथ-साथ ईमानदारी की भी जरूरत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि समग्र दृष्टिकोण को परिणाम में बदलने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, लेकिन, जहां एक परिवार को ही देश माना जाता है, जहां एक परिवार को ही सब कुछ माना जाता है, वहां उनसे यह उम्मीद करना कि वे कुछ भी करेंगे, अपने आप में 'बेईमानी' है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा राज्य के साथ और कांग्रेस व उसके सहयोगियों द्वारा देश के साथ यह अन्याय किया जा रहा था।

योगी ने कहा, इसी का नतीजा है कि एक बारिश में पूरा शहर पानी से भर जाता था। मच्छरों की भरमार थी, कूड़े के ढेर लगे रहते थे और 15 जून के बाद हर घर में 'इंसेफेलाइटिस' का आतंक छा जाता था। आज कूड़ा स्थानांतरिक स्टेशन बन गया है। आज ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए बेहतर प्रयास हो रहे हैं।

राहुल गांधी की 'नेतागीरी' में कांग्रेस 11 वर्ष में 50 से ज्यादा चुनाव हारी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल की 'नेतागीरी' में पार्टी पिछले 11 वर्ष में 50 से ज्यादा चुनाव हारी है। राहुल गांधी, रायबरेली और अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस का 'शाही परिवार' दस वर्ष तक देश के प्रति जवाबदेह बनने के बजाय डॉ. मनमोहन सिंह सरकार को रिमोट कंट्रोल से 'हांकता' रहा। उन्होंने कहा, आखिरकार मनमोहन सिंह सरकार का जब पतन हुआ तब से राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पिछले 11 वर्ष में 50 से अधिक चुनाव हारी। मौर्य ने कहा कि अब और बदनामी से बचने के लिए सबसे पुरानी पार्टी ने अपने भविष्य का भार अपने सबसे बुजुर्ग नेता (मल्लिकार्जन खरगे) पर डाल दिया। शाही परिवार उन्हें तब निर्देश दे रहा है जब वे सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली और अमेठी के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत की।

ओडिशा सरकार ने भुवनेश्वर शहरी सहकारी बैंक के जमाकर्ताओं को धन लौटाने की प्रक्रिया शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने 2015 में बंद हो गए भुवनेश्वर शहरी सहकारी बैंक में खाता रखने वाले जमाकर्ताओं को धन वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बैंक कुप्रबंधन के कारण बंद हो गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को धन वापस करने की प्रक्रिया शुरू की और पहले दिन 117 जमाकर्ताओं को 2.80 करोड़ रुपए की जमा राशि वापस दी गयी। माझी ने यहां लोक सेवा भवन में एक समारोह में नौ जमाकर्ताओं को चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि ढेंकनाल, छत्रपुर, अस्का और भंजनगर शहरी सहकारी बैंकों के जमाकर्ताओं की राशि भी जल्द ही वापस कर दी जाएगी। सरकारी बयान में कहा गया है कि इन चार बैंकों के 17,859 जमाकर्ताओं को छह करोड़ रुपए से अधिक की राशि वापस की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सरकार भुवनेश्वर शहरी सहकारी बैंक के 9,537 जमाकर्ताओं को 20.96 करोड़ रुपए की राशि वापस करेगी।

सूत्रों ने बताया कि 11,673 जमाकर्ता अपने 33.87 करोड़ रुपए वापस पाने के हकदार थे, लेकिन करीब 2,709 छोटे जमाकर्ताओं को उनके पैसे वापस दिए गए थे। इन सभी के खातों में एक लाख रुपए से कम राशि थी।

अब सरकार भुवनेश्वर शहरी सहकारी बैंक में एक लाख रुपए से अधिक जमा रखने वाले लोगों की राशि वापस कर रही है।

असम में पाकिस्तान का समर्थन करने पर 27 लोग गिरफ्तार, एक विधायक भी शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत में रहकर पाकिस्तान का बचाव करने के आरोप में राज्य में अब तक कम से कम 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने बताया कि गिरफ्तारियों की यह संख्या सोमवार रात तक की है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, अब तक 27 देशद्रोही पकड़े गए हैं।

गिरफ्तार किए गए लोगों में विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक अमीन-उल-इस्लाम भी शामिल हैं, जिन पर पहलगाम हमले में पाकिस्तान और उसकी संलिप्तता का कथित रूप से बचाव करने के लिए राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को शर्मा ने कहा था कि यदि आवश्यक हुआ तो गिरफ्तार लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के प्रावधान भी लगाए जाएंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई समानता नहीं है। दोनों देश दुश्मन देश हैं और हमें ऐसे ही रहना चाहिए।

प्रधानमंत्री की 'गायब' वाली तस्वीर को लेकर भाजपा का कांग्रेस पर तीखा हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की एक पोस्ट पर उसे आड़े हाथ लिया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संकट के समय 'गायब' नेता के रूप में दर्शाने की कोशिश की गई है। कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना उनकी किसी पुरानी तस्वीर को दिखाया गया है जिसमें केवल परिधान दिखाई दे रहे हैं और उनका शरीर दिखाई नहीं दे रहा है।

कांग्रेस ने 'एक्स' पर जारी इस तस्वीर में ऊपर 'गायब' लिखा है। पार्टी ने इसके लिए कैप्शन दिया है, ''जिम्मेदारी के समय गायब''। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दावा किया कि कांग्रेस की यह पोस्ट पाकिस्तान को यह संदेश देने के लिए लगाई गई कि विपक्षी पार्टी इस समय उनके साथ है। भंडारी ने कांग्रेस को 'लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 'एक्स' पर यह तस्वीर पार्टी नेता राहुल गांधी के कहने पर पोस्ट की। भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मंशा कुछ भी हो, लेकिन यह कांग्रेस की ओर से की गई सीधी-सादी पोस्ट नहीं है। यह भारत की अखंडता को कमजोर करने की कुत्सित सोच है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बहादुर सेना ने भारत को बुरी नजर से देखने वाली ताकतों को तबाह करने का संकल्प लिया है, वहीं दूसरी तरफ आतंकी ताकत, राक्षसी ताकत....पाकिस्तान की सोच और कांग्रेस की सोच है।'' भाटिया ने कहा, ''वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने की कोशिश कर रहे हैं और पाकिस्तान को यह संदेश दे रहे हैं कि कायरतापूर्ण (पहलगाम) आतंकी हमले में कांग्रेस पाकिस्तान के साथ खड़ी है और अपने देश भारत या इंडिया के साथ नहीं।''

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने कांग्रेस की पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और भारत के खिलाफ 'आपत्तिजनक टिप्पणियां' की हैं। भंडारी ने कहा कि क्या राहुल गांधी पाकिस्तान से तारीफ बटोरने के लिए भारत से विश्वासघात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '' 'सिर तन से जुदा' लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस की बुनियादी विचारधारा और चरित्र बन गया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस महत्वपूर्ण समय में भारत को कमजोर करने की और पाकिस्तान को यह संदेश भेजने की कोशिश कर रही है कि वह उनके साथ है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर लिखा, ''कांग्रेस ने 'सिर तन से जुदा' वाली छवि का इस्तेमाल करके कोई संदेह नहीं छोड़ा है। यह महज एक राजनीतिक बयान नहीं है; यह मुस्लिम वोट बैंक के पक्ष में और प्रधानमंत्री के खिलाफ परोक्ष तरीके से उकसावे वाला काम है।''

'जश्नजीवी भाजपाई' को सुरक्षा मिलती है, लेकिन पर्यटकों को क्यों नहीं : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मंगलवार को सवाल किया कि 'जश्नजीवी भाजपाई' को सुरक्षा मिलती है लेकिन पर्यटकों को सुरक्षा क्यों नहीं मिली। उन्होंने सरकार पर सार्वजनिक सुरक्षा से ज्यादा वीआईपी सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

सपा प्रमुख यादव ने मंगलवार को एक्स एक लंबे पोस्ट में कहा पूछता है पहलगाम का पर्यटक.... ख़तरों के बीच मेरी रक्षा करनेवाला कोई वहाँ क्यों नहीं था? सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कथित तौर पर गुजरात के ठग किरण पटेल का नाम लिए बिना सरकार की सुरक्षा नीतियों पर सवाल उठाए। पटेल ने खुद को कथित तौर पर प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर सुरक्षा कवर के तहत कश्मीर का दौरा किया था। सपा प्रमुख ने सवाल किया, कुछ ऐसे व्यक्ति, जो बाद में धोखेबाज निकलते हैं, उन्हें सरकार द्वारा इतनी कड़ी और व्यापक सुरक्षा क्यों दी जाती है? कुछ ऐसे लोगों को सरकार की ओर से चाक-चौबंद सुरक्षा घेरा क्यों दिया जाता है जो बाद में ठग साबित होते हैं? पटेल को पिछले साल मार्च में घाटी की अपनी तीसरी यात्रा पर श्रीनगर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था। कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने संवेदनशील क्षेत्रों में व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच पर भी संदेह जताया और कहा कि कोई भी व्यक्ति उचित जांच के बिना उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में प्रवेश कैसे कर सकता है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब 'जश्नजीवी भाजपाई' यहाँ विवादित निजी कार्यक्रम आयोजित करते हैं तो 250 वीवीआईपी के लिए हज़ारों सुरक्षाकर्मियों के कई घेरे बना दिये जाते हैं, वह भी उनके निजी कार्यक्रम में, जिनका काम किसी और के शब्दों को स्वर देना है।

राहुल का रायबरेली व अमेठी का दो दिवसीय दौरा शुरू, वंचितों को सौर ऊर्जा से चलने वाली गाड़ियां सौंपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली/भाषा। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली और अमेठी लोकसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत की। राहुल ने रायबरेली में वंचितों को सौर ऊर्जा से चलने वाली गाड़ियां वितरित कीं। राहुल मंगलवार सुबह लखनऊ हवाई अड्डे पर उतरे, जहां कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख अजय राय, राष्ट्रीय महासचिव एवं उप्र प्रभारी अविनाश पांडे, विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और अमेठी के सांसद केएल शर्मा सहित अन्य पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद राहुल सड़क मार्ग से रायबरेली के लिए रवाना हो गए। राहुल ने रायबरेली पहुंचने पर 'विसाका इंडस्ट्रीज' में दो मेगावाट के सौर छत संयंत्र और 'इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन' का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर वंचितों को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा दान की गईं सौर ऊर्जा से चलने वाली करीब एक दर्जन गाड़ियां भी सौंपीं। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, राहुल गांधी का उत्तर प्रदेश, रायबरेली और अमेठी से पुराना रिश्ता है तथा इस क्षेत्र के साथ गांधी परिवार के पारिवारिक संबंध हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा कि पहलगाम त्रासदी ने हर भारतीय को झकझोर दिया है। राहुल ने पत्र में कहा, हम अनुरोध करते हैं कि ऐसा विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए।

राहुल ने रायबरेली में सिविल लाइंस चौराहे पर सुभाष चंद्र बोस की एक प्रतिमा का उद्घाटन किया और फिर बचत भवन में आयोजित दिशा (जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति) की बैठक में भाग लिया।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता के इरादों पर आलोचनात्मक टिप्पणी की।

असम में पुलिस से मुठभेड़ में एनएससीएन के तीन उग्रवादी ढेर, हथियार और गोला-बारूद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के दीमा हसाओ जिले में मंगलवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में एनएससीएन के कम से कम तीन संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि ये उग्रवादी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से कथित तौर पर धन उगाही के लिए नगालैंड से असम आए थे।

अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद का जखीरा भी बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि दीमा हसाओ में एनएससीएन उग्रवादियों की मौजूदगी के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद असम राइफल्स और राज्य पुलिस की विशेष इकाई ने लगभग 60 घंटे तक तलाश अभियान चलाया।

असम पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नगालैंड से आए एनएससीएन उग्रवादियों की मंगलवार को हाफलोंग थाना क्षेत्र में एन कुबिन और हेराकिलो के बीच एक जगह पर पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उग्रवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर असम पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त टीम ने इलाके में अभियान चलाया। मुठभेड़ के दौरान दोनों पक्षों के बीच भारी गोलीबारी हुई।

अधिकारी के मुताबिक, तीन-चार घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान तीन उग्रवादी मौके पर ही मारे गए।

एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने मुठभेड़ स्थल से दो एके-47 राइफल, एक पिस्तौल और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया है। उन्होंने कहा, उग्रवादियों के सहयोगियों को पकड़ने के लिए हमने इलाके में व्यापक तलाश अभियान शुरू किया है।

ओडिशा विश्वविद्यालय ने 'अनुशासनहीनता' के आरोप में 100 छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संबलपुर/भाषा। ओडिशा के बुर्ला स्थित वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीएसएसयूटी) ने कक्षाओं में कम उपस्थिति और निषिद्ध क्षेत्रों में जाने सहित विभिन्न प्रकार के उल्लंघन के आरोपी 100 छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अनुशासन समिति की 25 अप्रैल की बैठक के बाद विश्वविद्यालय ने एक आदेश जारी किया, जिसमें दंड के साथ सभी 100 छात्रों के नामों की सूची दी गई है। कुल छात्रों में से अधिकतर तीसरे वर्ष के छात्र हैं, जबकि चौथे वर्ष और प्रथम वर्ष के 11-11 छात्र हैं। दो छात्र दूसरे वर्ष के और एक छात्र एमएससी का है।

पाकिस्तान परस्त पार्टी कांग्रेस, भारत विरोधी ताकतों के इशारे पर करती है काम : भूपेंद्र सिंह चौधरी

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंगलवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान परस्त पार्टी होने और भारत विरोधी ताकतों के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

चौधरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में 'नाकाम इरादे वालों-सोच बदलो!' नारे के साथ कहा, आज जब दुनिया और समस्त भारतवर्ष प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) और राष्ट्र के साथ खड़ा है तो कांग्रेस व उनका आईटी सेल मोदी के विरोध में उतर गये हैं। उन्होंने कहा, आज जब विपक्ष के पास सरकार के साथ खड़े होकर देश की शक्ति बनने का समय है। ऐसे समय में भी कांग्रेस का मानसिक दिवालियापन प्रधानमंत्री मोदी का विरोध कर राष्ट्र के विरोध में वातावरण तैयार करने का काम कर रहा हैं। चौधरी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, कांग्रेस ये बिल्कुल न भूले कि प्रधानमंत्री मोदी ने सम्पूर्ण दुनिया में भारत का सिर गर्व से ऊंचा किया है। भाजपा नेता ने पोस्ट में दावा किया, समस्त देशवासी यह बखूबी जानते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान परस्त पार्टी है और भारत विरोधी ताकतों के इशारे पर काम करती रही है।

पहली गेंद पर छक्का लगाना मेरे लिए सामान्य सी बात है : सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। क्रिकेट जगत उनके साहसी 'स्ट्रोकप्ले' का कायल हो गया है, लेकिन 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए पहली गेंद पर छक्का लगाना एक सामान्य सी बात है क्योंकि परिस्थितियों का उन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है।

सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेलकर टी20 क्रिकेट में अब तक के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनकर आईपीएल में धूम मचा दी।

यह आईपीएल में उनका केवल तीसरा मैच था। उन्होंने लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ आईपीएल में अपना पहला मैच खेलते हुए 20 गेंद पर 34 रन बनाए थे और अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने पहली गेंद पर छक्का लगाया था। सूर्यवंशी ने सोमवार रात यहां गुजरात टाइटंस पर जीत के बाद आईपीएलटी20 वेबसाइट से कहा, ''यह मेरे लिए सामान्य बात थी। मैं भारत के लिए अंडर-19 और घरेलू स्तर पर भी खेला हूं, जहां मैंने पहली गेंद पर छक्के लगाए हैं। मुझ पर पहली 10 गेंदों को खेलने का दबाव नहीं था। मेरे दिमाग में स्पष्ट था कि अगर गेंद मेरी जद में आएगी, तो मैं उसे मारूंगा।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं था कि मैं सोच रहा था कि यह मेरा पहला मैच है। हां, एक अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज (मेरे सामने) था और मंच बड़ा था लेकिन मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया।'' बिहार के समस्तीपुर के इस युवा

खिलाड़ी का जन्म आईपीएल शुरू होने के ठीक तीन साल बाद हुआ था। सूर्यवंशी ने इस मुकाम तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाने वाले अपने पिता संजीव और मां आरती का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मैं जो कुछ भी हूं अपने माता-पिता की वजह से हूं। मेरी मां मेरे अभ्यास कार्यक्रम के कारण रात 11 बजे सोती है और सुबह तीन बजे उठ जाती है। इस तरह से वह मुश्किल से तीन घंटे सोती हैं।''

सूर्यवंशी ने कहा, ''मेरे पिता ने मेरे लिए अपना काम छोड़ दिया। मेरा बड़ा भाई काम संभाल रहा है और घर बड़ी मुश्किल से चल रहा है। लेकिन पापा मेरा समर्थन कर रहे हैं। भगवान यह सुनिश्चित करते हैं कि जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं वे कभी असफल न हों। जो परिणाम हम देख रहे हैं और जो सफलता मैं हासिल कर रहा हूं वह मेरे माता-पिता के कारण है।''

यह 14 वर्षीय खिलाड़ी सुर्खियों में आने के बावजूद अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहता है और उनका लक्ष्य लंबे समय तक भारत की तरफ से खेलना है।

सूर्यवंशी ने कहा,,''मैं भारत की तरफ से खेलना चाहता हूं और इसके लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी। मैं उस स्तर तक पहुंचने तक कड़ी मेहनत करना बंद नहीं कर सकता। मैं देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।''

नीतीश ने सूर्यवंशी की सराहना करते हुए 10 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतक बनाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मंगलवार को 10 लाख रुपए का नकद इनाम देने की घोषणा की।

सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 101 रन बना 14 साल और 32 दिन की उम्र में आईपीएल के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 35 गेंद में शतक पूरा किया जिससे वह आईपीएल में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गये। नीतीश ने लिखा, ''आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र (14 साल) में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने बिहार के वैभव सूर्यवंशी को बधाई एवं शुभकामनाएं। वे मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। सभी को उन पर गर्व है।'' उन्होंने सूर्यवंशी और उनके पिता से मुलाकात की फोटो को साझा करते हुए लिखा, ''वैभव सूर्यवंशी एवं उनके पिता से वर्ष 2024 में 'एक अणे मार्ग' में मुलाकात हुई थी तथा उस समय मैंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की थी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के पश्चात् फोन कर उन्हें बधाई भी दी।'' मुख्यमंत्री ने लिखा, ''बिहार के वैभव सूर्यवंशी को राज्य सरकार द्वारा 10 लाख रुपए की सम्मान राशि भी दी जाएगी। मेरी शुभकामना है कि वैभव भविष्य में भारतीय टीम के लिए नए कीर्तिमान रचें और देश का नाम रोशन करें।''

सुविचार

दुनिया से धोखा मिलने के बाद ही, लोगों को अपने परिवार पर भरोसा होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रचार की ऐसी लालसा क्यों?

नादान दोस्त अक्लमंद दुश्मन से ज्यादा खतरनाक होता है। इस कहावत को एक बार फिर सच साबित किया है उन कथित बुद्धिजीवियों ने, जो इन दिनों थोड़ा-सा प्रचार पाने के लिए पाकिस्तान के दुलारे बनने को आमादा हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशवासियों को एकजुटता दिखानी चाहिए, ज़्यादातर लोग ऐसा कर भी रहे हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसी बयानबाजी पर उतर आए हैं, जिससे दुश्मन को तालियां बजाने का मौका मिल रहा है। पहलगाम हमला क्यों हुआ, कैसे हुआ, कहां गलती हुई, क्या सुधार करना चाहिए, कौन जिम्मेदार है – जैसे सवालों के जवाब देशवासी जानना चाहते हैं। याद रखें, यह समय एक-दूसरे पर निशाना साधने का नहीं है। सवालों के जवाब लिए जाएंगे, जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी। उसके लिए समय आएगा। अभी हमें एकजुट होकर अडिग रहना है। हमें पहलगाम हमले के गुनहगारों से हिसाब लेना है। एक ओर भारत सरकार पाकिस्तान के भ्रामक व भड़काऊ यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा रही है, दूसरी ओर हमारे ही कुछ 'तेजस्वी' लोग बेसिर-पैर की बातें कर पाकिस्तानी मीडिया से वाहवाही बटोर रहे हैं। एक कथित किसान नेता सिंधु जल संधि को स्थगित करने के सरकार के फैसले पर आपत्ति जता रहे हैं! उनका मानना है कि इससे पड़ोसी देश के आम लोग, खासकर किसान प्रभावित होंगे। क्या खून और पानी एकसाथ बहते रहने चाहिएं? इन्हें पाकिस्तान के किसानों की इतनी चिंता है, वे हमारे देशवासियों की सुरक्षा के लिए कितने चिंतित हैं? पाकिस्तान में कितने किसानों ने आतंकवादियों के खिलाफ जुलूस निकाला?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, सेना प्रमुख, रक्षा मंत्री से लेकर तमाम नेता भारत को धमकियां दे रहे हैं। क्या शांति की जिम्मेदारी अकेले भारत की है? इन पड़ोसियों के तेवर देखें। इतनी बड़ी घटना हो गई, लेकिन इन्हें कोई अफसोस नहीं, पछतावा नहीं, शर्म नहीं! भारत में एक कथित गायिका ने सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट डाली कि पूरे पाकिस्तान में उसके चर्चे होने लगे। जर्मनी में रहने वाले भारतीय मूल के एक यूट्यूबर को पाकिस्तानी चैनल किसी विशेषज्ञ की तरह पेश करते हुए कह रहे हैं- 'मोदी से पूछो कि मुल्क की हिफ़ाज़त की ज़िम्मेदारी किसकी है?' इन लोगों ने पाकिस्तानी मीडिया को हमलावर होने का मौका दे दिया। पहले, वहां खलबली मची हुई थी कि भारत की ओर से किसी भी समय सख्त कार्रवाई हो सकती है। अब वहां खुशी का माहौल है। पाकिस्तान के एक मशहूर पत्रकार ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर की गई गोलीबारी को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने जो कुतर्क दिए, उनकी सामग्री इन्हीं कथित बुद्धिजीवियों से मिली होगी। एक सेवानिवृत्त जज अपने एक्स अकाउंट पर जो चीजें पोस्ट कर रहे हैं, उससे पाकिस्तानी मीडिया को खूब मसाला मिल गया है। पाकिस्तानियों को पहलगाम हमले के बाद अपना बचाव करने के लिए शब्द नहीं मिल रहे थे। उक्त जज साहब ने यह कहते हुए उनका काम आसान कर दिया- 'भारतीय मीडिया ... हो गया है। पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहरा रहा है और पाकिस्तान पर हमले की मांग कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे जब बलोच आतंकवादियों द्वारा ट्रेन पर हमला किया गया था तो पाकिस्तानी मीडिया ... हो गया था और भारत को दोषी ठहरा रहा था।' न जाने क्यों कुछ लोगों को पाकिस्तान में प्रचार पाने की ऐसी लालसा होती है! अगर वे इतनी ऊर्जा आतंकवाद का विरोध करने में लगाते तो भारत की आवाज और बुलंद होती। खैर, इतिहास इनसे भी सवाल करेगा। भारतवासियों ने अपनी एकता और दृढ़ संकल्प के बल पर कई मुश्किलों को पार किया है। आज कुछ लोगों के शब्दों से दुश्मन को खुशी होती है तो होती रहे। हम उसे हराएंगे, आतंकवाद को भी मिटाएंगे।

ट्वीटर टॉक

पद्म सम्मान ग्रहण करने वाली सभी विभूतियों को मैं प्रणाम करता हूँ। आपने अपनी प्रतिभा को उस शीर्ष पर पहुंचाया है। आपको बधाई देना भी आत्म गौरव का विषय है। अब पद्म पुरस्कार समाज में बदलाव लाने वाले व्यक्तित्वों का अलंकार बन गए हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सभी को भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ। तप, त्याग और तेजस्विता की प्रतिमूर्ति प्रभु परशुराम जी का जीवन मानवता और स्वधर्म की रक्षा का प्रतीक है। प्रभु से सभी के कल्याण की कामना करता हूँ।

-अमित शाह

आज मुख्यमंत्री निवास पर माननीय केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल जी की गरिमामय उपस्थिति में ऊर्जा विभाग एवं नगरीय विकास विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

बर्ड वुमैन ऑफ इंडिया

वह हमेशा पक्षियों को निहारती रहती थी। एक दिन उसका विवाह हुआ और एक प्यारी-सी बिटिया भी हुई। ससुराल की परेशानियों से तंग आकर, वह अपनी बेटी के साथ अपने चचेरे भाई के पास चली गई, जो वन विभाग में अधिकारी था। वहां रांची और पलामू के आसपास के जंगलों में मां-बेटी को अनगिनत पक्षियों की चहचहाहट और उड़ान के अद्भुत दृश्य देखने का मौका मिला।धीरे-धीरे उसकी मुलाकात एक अंग्रेज अधिकारी की पत्नी से हुई, जो वहां रहती थी। उस महिला ने उसे प्रेरित किया और कहा, 'तुम हमेशा पक्षियों को देखती रहती हो, क्यों न इसे कहीं दर्ज किया जाए? लिखने से तुम्हारी अंग्रेजी भी बेहतर हो जाएगी।' इस प्रेरणा से, उसने 21 साल की उम्र में पक्षियों के बारे में लिखना शुरू किया। उसकी लिखी सामग्री एक दिन देश की प्रसिद्ध पर्यावरण पत्रिका में प्रकाशित हुई। जब उसने अपने नाम के साथ 'पक्षी प्रेमी' पढ़ा, तो वह अत्यधिक भाव-विभोर हो गई। 1949 में उसने नियमित रूप से लिखना शुरू किया और अब तक 60 से अधिक शोध पत्र लिखे। उसकी यही विशेषता उसे अमेरिका और अन्य देशों तक ले गई।

सामयिक

शुभ कार्य करने का अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रत्येक वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया की शुरुआत 29 अप्रैल की शाम पांच बजकर 31 मिनट पर हो रही है, जो 30 अप्रैल की दोपहर दो बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए अक्षय तृतीया की पूजा और खरीदारी करना 30 अप्रैल को ही सबसे शुभ है। अक्षय तृतीया की पूजा के लिए 30 अप्रैल को प्रातः पांच बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक का समय बहुत शुभ है। मांगलिक कार्यों के लिए अक्षय तृतीया पर्व को हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य आयोजित किया जा सकता है। यह पर्व आस्था, परंपरा और अध्यात्म का संगम है। सनातन धर्मानुसार, वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' या 'आखा तीज' कहते हैं।

पौराणिक शास्त्रानुसार, अक्षय तृतीया विवाह और अन्य शुभ कार्यों के लिए स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, उपवास और व्रत का अक्षय फल अर्थात संपूर्ण फल मिलता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और इस दिन बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न किया जा सकता है, इसीलिए लोग बिना पंचांग देखे अक्षय तृतीया के दिन विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यापार, धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, घर, भूखंड या नए वाहन आदि की खरीदारी करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इसी तृतीया तिथि को माता पार्वती ने अमोघ फल देने की सामर्थ्य का आशीर्वाद दिया था, जिसके प्रभाव से अक्षय तृतीया के दिन किया गया कोई भी कार्य निष्फल नहीं होता। पुराणों के अनुसार, इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान, दान, जप व स्वाध्याय करना शुभ फलदायी होता है।

भविष्यपुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया को युगादि तिथि माना गया है, यानी इसी तिथि से सतयुग व त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। भगवान विष्णु के तीन अवतारों, नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस वर्ष अक्षय तृतीया पर बहुत से शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी पूजा करने से धन वृद्धि होती है। अक्षय तृतीया के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो बहुत खास है। इसके अतिरिक्त, जो अन्य शुभ योग बनने वाले हैं, उनमें शोभन योग दोपहर 12 बजकर दो मिनट तक रहेगा। रवि योग शाम को चार बजकर 18 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहने वाला है। इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ माना गया है। अक्षय तृतीया तिथि संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुख प्रदान करने वाली मानी गई है। विभिन्न शास्त्रों के अनुसार, इस दिन हवन, जप, दान, स्वाध्याय, तर्पण इत्यादि जो भी कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं।

मान्यता है कि द्वापर युग इसी तिथि को समाप्त हुआ था, जबकि त्रेता, सतयुग और कलियुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ था, इसीलिए इसे कृतयुगादि तृतीया' भी कहा जाता है। भारत में कई स्थानों पर अक्षय तृतीया को आखा तीज' के नाम से भी जाना जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार, इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है।

इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती मानी गई हैं और इस दिन मां लक्ष्मी की भी विधिवत पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पृथ्वी पर देवताओं ने 24 रूपों में अवतार लिया था, जिनमें छठा अवतार भगवान परशुराम का था, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के ही दिन हुआ था। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय कुमार का प्राकट्य भी इसी दिन हुआ माना जाता है। भगवान विष्णु के चरणों से गंगा भी इसी दिन धरती पर अवतरित हुई थी। इस पर्व को लेकर लोक धारणा है कि इस तिथि को यदि चंद्रमा के अस्त होते समय रोहिणी आगे होगी तो फसल अच्छी होगी।

विशेष

शास्त्र और शस्त्र के अनूठे समन्वयक भगवान परशुराम

पूनम नेगी

अक्षय तृतीया की पावन तिथि को इस धराधाम पर अवतरित भगवान परशुराम ऐसी अमर विभूति हैं, जिनके प्रतिपादित सिद्धांत आज भी अपनी प्रासंगिकता रखते हैं। भगवान परशुराम की मान्यता थी कि स्वस्थ समाज की संरचना के लिए ब्रह्मशक्ति और शस्त्र शक्ति दोनों का समन्वय आवश्यक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार सनातन हिन्दू धर्म के अष्ट चिरंजीवियों (अश्वत्थामा, राजा बलि, महर्षि वेदव्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, भगवान परशुराम तथा ऋषि मार्कण्डेय) में महर्षि परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है।

भृगुकुल शिरोमणि परशुराम जी ऋषियों के ओज और क्षत्रियों के तेज दोनों का अद्भुत संगम माने जाते हैं, क्योंकि ब्राह्मण कुल में जन्मे पिता ऋषि जमदग्नि व क्षत्रिय कुल की राजकन्या माता रेणुका दोनों ही विलक्षण गुणों से सम्पन्न थे। जहां जमदग्नि जी को आग पर नियंत्रण पाने का वरदान प्राप्त था, वहीं माता रेणुका को पानी पर नियंत्रण पाने का। माँ व पिता दोनों के इन दैवीय गुणों के साथ ऋषि दम्पति की पांचवी संतान के रूप में बैसाख माह की पावन अक्षय तृतीया तिथि को परशुराम का जन्म हुआ। बहुत कम आयु में उन्होंने पिता से धनुर्विद्या सीख ली थी। उनका बचपन का नाम राम था जो कलान्तर में महादेव से परशु प्राप्त होने के बाद परशुराम हो गया। कथानक है कि महादेव शिव के प्रति विशेष श्रद्धा भाव के चलते एक बार बालक राम भगवान शंकर की आराधना करने कैलास जा पहुंचे। वहां देवाधिदेव महादेव ने उनकी भक्ति और शक्ति की परीक्षा लेकर उन्हें उपहार स्वरूप अनेक अस्त्र-शस्त्रों सहित दिव्य परशु भी प्रदान किया। उस अमोघ परशु धारण करने के बाद बालक राम परशुराम ने नाम से विख्यात हो गये। दक्षिण भारत की लोककथाओं में उल्लेख मिलता है कि परशुराम जी पशु-पक्षियों की भाषा व उनके व्यवहार समझते थे और उनसे बात कर सकते थे। इसी कारण खूंखार वन्य जीव उनके स्पर्श मात्र से ही उनके मित्र बन जाते थे।

परशुराम जी का समूचा जीवन अनुपम प्रेरणाओं व उपलब्धियों से भरा हुआ है। वे न सिर्फ ब्रह्मास्त्र समेत विभिन्न दिव्यास्त्रों के संचालन में पारंगत थे अपितु योग, वेद और नीति तथा तंत्र कर्म में भी निष्णात थे। इन्हें श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का प्रतिष्ठाता माना गया है। उनकी मान्यता थी कि राजा का धर्म वैदिक जीवन का प्रसार करना है न कि अपनी प्रजा से आज्ञापालन करवाना। अन्याय के विरुद्ध आवेशपूर्ण आक्रामकता के विशिष्ट गुण के कारण उन्हें भगवान विष्णु के आवेशावतार' की संज्ञा दी गयी है। दुनिया भर में शस्त्रविद्या के महान गुरु के नाम से विख्यात भगवान परशुराम ने महाभारत युग में भी अपने ज्ञान से कई महारथियों को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। उन्होंने भीष्म पितामाह, द्रोणाचार्य व कर्ण को भी विद्या देकर एक महान योद्धा बनाया था। शस्त्र

विद्या के इस महारथी को केरल की मार्शल आर्ट कलरीपायट्टु की उत्तरी शैली वदक्कन कलरी' का संस्थापक आचार्य एवं आदि गुरु माना जाता है। वदक्कन कलरी अस्त्र-शस्त्रों की प्रमुखता वाली शैली है।

जिस प्रकार देवनदी गंगा को धरती पर लाने का श्रेय राजा भगीरथ को जाता है ठीक उसी प्रकार पहले ब्रह्मकुंड (परशुराम कुंड) से और फिर लौहकुंड (प्रभु कुठार) पर हिमालय को काटकर ब्रह्मपुत्र जैसे उग्र महानद को धरती पर लाने का श्रेय परशुराम जी को ही जाता है। इसी तरह अपने पिता जमदग्नि की आज्ञा से वे गंगा की सहयोगी नदी रामगंगा को धरती पर लाये थे। पौराणिक उद्धरणों के अनुसार केरल, कन्याकुमारी व रामेश्वरम की संस्थापना भगवान परशुराम ने ही की थी। जिस स्थान पर उन्होंने तपस्या की थी, वह स्थान आज तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिद्ध है। केरल में आज भी पुरोहित वर्ग संकल्प मंत्र में परशुराम क्षेत्र का उच्चारण कर उक्त समूचे क्षेत्र को परशुराम की धरती की मान्यता देता है। गोमांतक (गोवा) को भी परशुराम जी का कार्य क्षेत्र कहा जाता है। ब्राह्मण की परंपरा के अनुसार परशुराम जी बिहार के तिरहुत से दस परिवारों को लेकर आए और उन्हें आधुनिक गोवा के नाम से मशहूर गोकर्ण में बसाया था।

हिमालय में फूलों की घाटी मुनस्यारी को बसाने का श्रेय भी परशुराम जी को ही जाता है। यही नहीं, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ मानी जाने वाली कांवड़ यात्रा का शुभारंभ परशुराम जी ने सबसे पहले शिवजी को कांवड़ से जल चढ़ाकर किया था। गौरतलब हो कि अंत्योदय की बुनियाद भी परशुराम जी ने ही डाली थी। समाज सुधार और समाज के शोषित-पीड़ित वर्ग को कृषिकर्म से जोड़कर उन्हें स्वावलंबन का पाठ पढ़ाने में भी परशुराम जी की महती भूमिका रही है। अपने पितामह महर्षि ऋचीक के कहने पर उन्होंने केरल, कोंकण मालाबार और कच्छ क्षेत्र में समुद्र में डूबी ऐसी भूमि को बाहर निकाला जो खेती योग्य थी। - पांचजन्य से साभार

नजरिया

पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल : 9302640933

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतों के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया। परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को, मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य

कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई।

भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ। ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था। वो परशुरामजी ही थे जिनके इशारों पर नदियों की दिशा बदल जाया करतीं थीं। उन्होंने अपने बल से आर्यों के शत्रुओं का नाश किया, हिमालय के उत्तरी भू-भाग, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, कश्यप भूमि और अरब में जाकर शत्रुओं का संहार किया। उसी फारस जिसे पार्शिया भी कहा जाता था का नाम इनके फरसे पर ही किया गया। इन्होंने भारतीय संस्कृति को आर्यन यानी ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र और आर्यक यानी इराक में नई पहचान दिलाई। गौरतलब है कि पार्शियन भाषी पार्शिया परशुराम के अनुयायी और अग्निपूजक कहलाते हैं और परशुराम से इनका संबंध जोड़ा जाता है। अब तक भगवान परशुराम पर जितने भी साहित्य प्रकाशित हुए हैं उनसे पता चलता है कि मुंबई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्रों को 8 कोणों में बांटकर परशुराम ने प्रान्त बना कर इसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी की। अयोध्या, मिथिला, काशी, कान्यकुब्ज, कनेर, बिंग के साथ ही कहते हैं कि पूर्व के प्रान्तों में मगध और वैशाली भी महासंघ में शामिल थे जिसका नेतृत्व भगवान परशुराम ने ही किया। दूसरी ओर हैहयों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युध्द तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके।

केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिध्द है जो अब केरल की राजधानी है। केरल, कन्याकुमारी और रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में नियमित पूजा होती है। यहां के पंडित संकल्प मंत्र उच्चारण में समूचे क्षेत्र को परशुराम की पावन भूमि कहते हैं। परशुराम के बारे में पुराणों में लिखा है कि महादेव की कृपा व योग के उच्चतम ज्ञान के सहारे वे अजर, अमर हो गए और आज भी महेंद पर्वत में किसी गुप्त स्थान पर आश्रम में रहते हैं। कई धर्मग्रन्थो में वर्णित नक्षत्रो की गणना से हैहय-परशुराम युद्ध अब से लगभग 16300 साल के पहले का माना जाता है। वहीं कुछ कथाएं यह भी हैं कि कई हिमालय यात्रियों ने परशुराम से भेंट होने की बात भी कही हैं। भगवान परशुराम की यही गाथा है जिसमें अनीति, अत्याचार, छल-प्रपंच का संहार करने की सच्चाई है जो आज भी प्रासंगिक है और युगों-युगों तक रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूक्रेन ने रूस पर रिहाइशी इलाकों में ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया, पुतिन की घोषणा खारिज की

कीव। रूस ने रात के समय एक बार फिर यूक्रेन में रिहाइशी इलाकों को निशाना बनाकर ड्रोन हमले किए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के अधिकारियों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले सप्ताह 72 घंटे के एकतरफा संघर्ष विराम की घोषणा को खारिज कर दिया और इसे अमेरिका को धोखा देने का प्रयास बताया। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी द्निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में कुछ घर क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों के अनुसार इसके अलावा 12 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई जबकि छह साल के बच्चे समेत तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि रूस ने खारकीव में भी 20 ड्रोन और 31 शक्तिशाली बम से हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, एक रूसी ड्रोन को मार गिराया गया और उसके मलबे से राजधानी कीव के एक इलाके में आग लग गई।

मैडमैक्स की ब्रांड एंबेसडर बनीं सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी एनर्जी ड्रिंक मैडमैक्स की ब्रांड एंबेसडर बन गयी है। केनी डिलाइट्स ने एनर्जी ड्रिंक के बाजार में अपना नया प्रोडक्ट मैडमैक्स लॉन्च किया है और इसके लिए सनी लियोनी को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। मेघा जैन, जिन्होंने केनी डिलाइट्स की नींव वर्ष 2012 रखी थी, हमेशा से ही लोगों को अच्छी और पौष्टिक चीजें देने में आगे रही हैं। अब मैडमैक्स के साथ, उनकी कंपनी उन नौजवानों और भाग-दौड़ वाली जिंदगी जीने वालों तक पहुंचना चाहती है, जिन्हें तुरंत एनर्जी की ज़रूरत होती है। मेघा जैन ने कहा,सनी लियोनी की पहचान और उनकी ऊर्जा हमारे ब्रांड मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाती है। हमें विश्वास है कि उनके साथ हमारा यह नया प्रयास पूरे देश में बड़ी पहचान बनाएगा। हमने उनके साथ मुंबई के मड आइलैंड में एक कॉमर्शियल भी शूट किया है।

'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में महत्वाकांक्षी वकील कैरी शर्मा का किरदार निभाएंगी आशी सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आशी सिंह ,सोनी सब के नये शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में महत्वाकांक्षी वकील कैरी शर्मा का किरदार निभाती नजर आयेंगी। सोनी सब अपने दर्शकों के लिए एक बार फिर से ताजा, दिल को छू लेने वाली और मनोरंजक कहानियां लेकर आ रहा है। चैनल का जल्द शुरू होने वाला शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' भी इसी सिलसिले की अगली कड़ी है, जिसमें हास्य, रोमांस और पारिवारिक ड्रामा का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा। अपने दमदार अभिनय और सशक्त स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री आशी सिंह इस शो में कैरी शर्मा का किरदार निभाती नज़र आएंगी । आशी सिंह ने कहा, जब मैंने पहली बार कैरी के बारे में पढ़ा, मुझे तुरंत एहसास हुआ कि मुझे इस किरदार को निभाना चाहिए।

कैरी एक ऐसा किरदार है जो अपने परिवार को संभाल रही है, पार्ट-टाइम काम कर रही है और पढ़ाई में भी अव्वल है। वह लॉ की फाइनल ईयर की छात्रा है और एक वकील बनने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वह सही के लिए खड़ी होती है और कभी भी खुद या दूसरों के लिए आवाज़ उठाने से पीछे नहीं हटती, खासकर तब जब उसे बिना मांगे सलाह दी जाए। यह बात मुझे बेहद प्रेरणादायक लगी। इस शो की दिलचस्प और हटकर लव स्टोरी भी मुझे बहुत उत्साहित कर रही है। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा ऐसे किरदारों की तलाश में रहती हूं जो मुझे चुनौती दें, और कैरी मेरे लिए वही कर रही है।

मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने कनाडा का संघीय चुनाव जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने देश के संघीय चुनाव में जीत हासिल की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकियों और व्यापार युद्ध ने लिबरल पार्टी की इस जीत में अहम भूमिका निभाई। 'कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' के अनुसार कार्नी के प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिवरे अपनी सीट हार गए। सोमवार को हुए चुनाव में ओटावा जिले का प्रतिनिधित्व करने वाली सीट पर हार से पोलिवरे का भविष्य दांव पर लग गया।

पोलिवरे को कुछ महीने पहले कनाडा के अगले प्रधानमंत्री के तौर पर देखा जा रहा था। माना जा रहा था कि वह एक दशक में पहली बार कंजर्वेटिव पार्टी को सत्ता तक पहुंचा देंगे।

वरिष्ठ नेता पोलिवरे ने ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' नारे से प्रेरणा लेते हुए 'कनाडा फर्स्ट' का नारा दिया। लेकिन, ट्रंप की नीतियों से उनकी समानताओं ने अंततः उन्हें और उनकी पार्टी को नुकसान पहुंचाया।

शुरुआती रुझानों के आधार पर अनुमान जताया गया कि लिबरल पार्टी संसद की 343 सीट में से कंजर्वेटिव पार्टी से ज्यादा सीट जीतेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि लिबरल पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा या नहीं। बहुमत के लिए 172 सीटें चाहिए।

बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में लिबरल पार्टी को विधेयक पारित कराने और सत्ता में बने रहने के लिए छोटे दलों के साथ की जरूरत होगी। मतगणना के अंतिम रुझान के अनुसार लिबरल पार्टी 168 सीट पर बढ़त बनाए हुए है या जीत चुकी है।

कार्नी ने संघीय चुनाव में लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका की धमकियों के सामने एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कनाडा और अमेरिका ने जो पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रणाली साझा की थी, वह समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''हम अमेरिकी विश्वासघात के सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन हमें उससे मिले सबक कभी नहीं भूलने चाहिए।''

कार्नी ने कहा, ''जैसा कि मैं महीनों से आगाह कर रहा हूं कि अमेरिका हमारी जमीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहता है।'' उन्होंने कहा, ''ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा...कभी नहीं होगा। लेकिन हमें इस वास्तविकता को भी पहचानना होगा कि हमारी दुनिया मूल रूप से बदल गई है।''

पोलिवरे को उम्मीद थी कि चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लिए जनादेश होगा, जिनकी लोकप्रियता उनके कार्यकाल के अंतिम दिनों में खाद्य पदार्थों और आवास की कीमतों में वृद्धि के कारण कम हो गई थी।

अवैध कब्जा

अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने गुजरात के अहमदाबाद में चंदोला झील के पास अवैध बस्तियों को बुलडोजर से गिराया गया।

टीवी पर वापसी करने जा रहीं पद्मिनी कोल्हापुरे, 'राजमाता' के किरदार में आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाली बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे 11 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। पद्मिनी 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता की भूमिका में नजर आएंगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ अपने टीवी सफर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने उसी चैनल पर वापसी को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने बताया कि राजमाता के रूप में उनकी भूमिका न केवल किरदार की गहराई के कारण खास है, बल्कि चुनौतियों से भी भरी है। वह राजमाता के ऐसे किरदार में दिखेंगी, जो शांत होने के साथ ही मजबूत भी है। टेलीविजन पर वापसी को लेकर उत्साहित पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा, चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं इसमें दमदार भूमिका निभा रही हूं, बल्कि

इसलिए भी कि यह लगभग 11 वर्षों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी है। टेलीविजन पर मेरा सफर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुआ था और अब, इतने सालों के बाद मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है।

उन्होंने कहा, जब मुझे राजमाता की भूमिका के लिए ऑफर मिला तो मुझे इससे जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है, जिसमें इतनी गहराई हो। वह सिर्फ एक रानी या मां नहीं है, वह राज्य की आत्मा हैं। राजमाता की भूमिका निभाना उन सभी मजबूत महिलाओं को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने पर्दे के पीछे से शांति के साथ देश की मजबूती में अहम भूमिका निभाई। किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूं। 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' ऐतिहासिक टीवी शो है, जो पृथ्वीराज चौहान की यात्रा को दिखाता है। टीवी शो में पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ अनुजा साठे, रोनित रॉय और रूमी खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा।

मुलाकात

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया से मुलाकात की।

अंबेडकर के देहावसान के बाद भी उनके प्रति नेहरू की 'दुश्मनी' कायम रही : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देश के प्रति डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को कांग्रेस द्वारा नकारने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मन में संविधान निर्माता को लेकर दुश्मनी का भाव उनके निधन के बाद भी कायम रहा।

यादव ने यह बयान ऐसे वक्त दिया, जब अंबेडकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश में उनकी विरासत को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच सियासी जंग लगातार तेज हो रही है।

प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने ग्वालियर में सोमवार को 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित की थी, जिसमें वह सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सामाजिक न्याय के मुद्दे को धार देती नजर आई थी।

मुख्यमंत्री यादव ने भाजपा के ''डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान'' के तहत इंदौर में आयोजित संगोष्ठी में कहा, ''अंबेडकर ने जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करके अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल किया था जिससे नेहरू घबरा गए। नेहरू अपने पिता की विरासत के बलबूते पर आगे बढ़े थे, लेकिन वह भारत की जड़ों से नहीं जुड़े थे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अंबेडकर के जीते जी नेहरू के मन में उन्हें लेकर बुरा भाव था और संविधान निर्माता के देहावसान के बाद भी उनके प्रति नेहरू की यह 'दुश्मनी'' कायम रही। मुख्यमंत्री ने कहा,''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने पूरी ताकत लगाकर अंबेडकर को अलग-अलग चुनावों में हरवाया। अंबेडकर ने नई दिल्ली में अपना शरीर त्यागा, लेकिन नेहरू ने राष्ट्रीय राजधानी में उनके दाह संस्कार की अनुमति नहीं दी।'' उन्होंने यह दावा भी किया कि अंबेडकर का पार्थिव शरीर दाह संस्कार के लिए जिस विमान से मुंबई ले जाया गया, उसका किराया चुकाने के लिए संविधान निर्माता की विधवा को बिल थमा दिया गया। यादव ने कहा,''चुनावों में अंबेडकर का नाम लेकर वोट मांगने से पहले कांग्रेस को अपने वे सब पाप याद करने चाहिए जो उसने अतीत में उनके साथ अन्याय के रूप में किए थे। कांग्रेस को इन पापों के लिए माफी मांगनी चाहिए।''

दिल और दिमाग के लिए बेस्ट है 'ओम' का उच्चारण : भाग्यश्री

मुंबई/एजेन्सी

भाग्यश्री स्वास्थ्य को लेकर खासा एक्टिव रहती हैं। उन्हें न केवल अपने बल्कि प्रशंसकों के स्वास्थ्य की भी चिंता रहती है। सोशल मीडिया पर 'मंगलवार हेल्थ टिप्स' पोस्ट को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि दिल और दिमाग के लिए ओम का उच्चारण फायदेमंद होता है। यह तनाव को दूर करने के साथ ही फेफड़े और दिल को भी स्वस्थ रखता है। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, ओम! जागृति की ध्वनि है। ओम का वाइब्रेशन आपके तंत्रिका तंत्र, चक्रों, आपके शरीर के न्यूरॉन को खोलने का सही तरीका है। ब्रह्मांड में भेजे गए इस शब्द के कंपन से स्थिरता, शांति और फोकस आता है। चाहे शरीर की एक्टिविटीज हों या ध्यान, यह सब कुछ एक इसके उच्चारण से आप ला सकते हैं। वहीं, शेयर किए गए वीडियो में भाग्यश्री कहती नजर आईं, अगर आपके इंद्रियों को सुबह से जुड़ना है तो जितने लंबे समय तक आप ओम कह सकते हैं, इसे जरूर कीजिए, उसका सीधा सकारात्मक असर आपके दिल और फेफड़ों पर पड़ता है। भाग्यश्री ने सहजता के साथ प्रक्रिया भी बताई। उन्होंने बताया, ओम का उच्चारण करते हुए धीरे-धीरे सांस लेकर फिर धीरे इसे छोड़ दीजिए, यह प्रक्रिया आपके दिल को स्वस्थ रखती है और स्ट्रेस भी दूर भागता है। यह प्रक्रिया वेगस नर्व के फंक्शन को भी मजबूत करती है।

हमने ऐसा माहौल बनाया है जो बिजनस से ज़्यादा कम्युनिटी जैसा लगता है : कृष्णा श्रॉफ

कश्मीर/एजेन्सी

कृष्णा श्रॉफ वास्तव में एक सच्ची फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर हैं। फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति उनकी लगन बेमिसाल है। कृष्णा श्रॉफ और उनके भाई टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित चच- मैट्रिक्स, भारत में फिटनेस के प्रति नजरिए को बदल रहा है। यह ब्रांड देशभर में उच्च गुणवत्ता वाले फिटनेस सेंटर्स की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत मुंबई में एक प्रमुख जिम से हुई थी और अब यह पूरे देश में चौदह फ्रेंचाइज़ी तक फैल चुका है, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग और वेलनेस शैली को कितना पसंद करते हैं।

चच- मैट्रिक्स का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन उपकरण और ऐसी प्लेस प्रदान करना है जहाँ लोग वास्तव में प्रेरित होकर व्यायाम कर सकें, और यह भारत में सही दिशा में विस्तार कर रहा है। कृष्णा ने बताया, हम एमएमए मैट्रिक्स के साथ कुछ खास बनाना चाहते थे, एक ऐसी जगह जो आम जिम के अनुभव से कहीं बढ़कर हो। हमारा लक्ष्य है कि भारत में विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं को लाना है, साथ ही व्यक्तिगत स्पर्श भी बनाए रखना है।

जब आप हमारे स्पेस में प्रवेश करते हैं, तो आपको तुरंत ही अंतर महसूस होता है। यह सहायक,

समावेशी वातावरण है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोग भी शामिल हैं। एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खासियत इसकी समावेशी सोच है। इसके कार्यक्रम और सुविधाएँ इस तरह से डिज़ाइन की गई हैं कि विभिन्न बैकग्राउंड और ज़रूरतों वाले लोग जुड़ सकें।

इसके प्रशिक्षक पुनर्वास-केंद्रित ट्रेनिंग में भी निपुण हैं, जिससे वे उन लोगों की मदद कर पाते हैं जो सामान्य जिम के अनुभवों से वंचित रह जाते हैं। व्यक्तिगत सहायता के साथ श्रेष्ठ-गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे को जोड़कर, एमएमए मैट्रिक्स भारत में हर किसी के लिए फिटनेस को सुलभ और सार्थक बनाने के अपने मिशन को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा, कई व्यावसायिक जिमों के विपरीत, हमने ऐसा माहौल बनाया है जो व्यवसाय से ज़्यादा समुदाय जैसा लगता है।

शुरू से ही हमारा लक्ष्य यही था: अपने लोगों को उच्चतम गुणवत्ता वाला फिटनेस वातावरण प्रदान करना जहाँ वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें। यह सिर्फ़ उपकरणों के बारे में नहीं है; यह एक ऐसा स्थान बनाने के बारे में है जहाँ हर कोई अपनी फिटनेस यात्रा में आगे बढ़ सके। संस्थापकों ने समझा कि बढ़िया उपकरण ही काफ़ी नहीं हैं - स्थायी फिटनेस आदतों के लिए सही भावनात्मक और मानसिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

ऐसा नहीं है कि हम अलग हो गए हैं, फिल्म का यह सही समय है : इमरान ने 'आवारापन 2' पर कहा

मुंबई/भाषा

अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' के जरिये मुकेश भट्ट के साथ फिर से नहीं जुड़ रहे हैं ''बल्कि हम तो अलग हुए ही नहीं हैं।''

हाशमी ने कहा कि जब आप एक साथ इतनी सारी सफल फिल्में करते हैं, तो स्थिति पेचीदा हो ही जाती है।

अभिनेता ने इस माह की शुरुआत में अपने 46वें जन्मदिन पर 2007 की फिल्म 'आवारापन' के अगले भाग की घोषणा की थी। इस फिल्म का निर्माण उनके मामा मुकेश भट्ट के बैनर 'विशेष फिल्म्स' ने किया था। उन्होंने 2003 में इस निर्माता कंपनी की फिल्म 'फुटपाथ' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी और भट्ट परिवार के साथ उनकी

आखिरी फिल्म 2016 में 'राज: रीबूट' थी। अभिनेता ने कहा कि 'आवारापन-2' पर बिल्कुल सही समय पर काम किया जा रहा है।

हाशमी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''मैं इसे फिर से साथ (भट्ट परिवार के साथ) आने के रूप में नहीं देखता। ऐसा नहीं है कि हम अलग हो गए हैं। हमने 14 वर्षों तक कई सफल फिल्मों में काम किया...। जब आप एक साथ इतनी सारी सफल फिल्में करते हैं, तो कई बार स्थिति पेचीदा हो ही जाती है।''

हाशमी ने कहा कि 'आवारापन' को मिले प्रशंसकों के प्यार के कारण इसका दूसरा भाग बनाने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी ठोस कहानी के, कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा, ''इस पर काफी समय से बातचीत हो रही थी। हम सिर्फ ऐसे ही इसका अगला भाग नहीं बनाना चाहते थे। हम एक ऐसे विषय पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे जो फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए उचित हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 30-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शहर में पहली बार, पद्मविभूषण से सम्मानित श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिसेज श्राइन सभागार में होने जा रहा है।

त्रिपुरावासिनी में वर्षीतप पारणा महोत्सव की तैयारियां पूरी, पारणा कार्यक्रम आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की श्रेयांस पारणा समिति द्वारा आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी आदि साध्वीगण, समणीवृंद के सान्निध्य में अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को 250 वर्षीतप आराधकों का पारणा महोत्सव पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में आयोजित है। इस आयोजन की तैयारियां पूरी करने के लिए समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उपस्थित होकर सारी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और कार्य करने वालों को आवश्यक निर्देश दिए।

समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल ने कहा कि 250 वर्षीतप आराधकों एवं महोत्सव में सम्मिलित होने वाले 5000 से अधिक श्रद्धालुओं के समागम हेतु सुचारु व्यवस्था की जा रही है। राजेन्द्रकुमार नाहर, पदमचंद रातड़िया, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, जेके महावीरचंद चोरड़िया, महेंद्र चोरड़िया, कोमलचंद धोका, रोशनलाल नाहर आदि ने बातचीत में बताया कि समारोह स्थल पर एक बार में एक साथ 1000 से अधिक श्रद्धालु बैठकर भोजन कर सकेंगे। पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं में लगे रेवन्तमल नाहर एवं मीठालाल लोढ़ा के मार्गदर्शन की सराहना की।

समिति सदस्य रमेशकुमार गुगलिया, उत्तमचंद कोठारी, महेन्द्रकुमार मेहता, भंवरीलाल चोरड़िया, प्रकाशचंद टोडरवाल आदि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। बुधवार को प्रातः 8.30 बजे तपस्वियों की शोभा यात्रा निकलेगी, प्रातः 9.30 बजे संतोंका प्रवचन व 11 बजे से वर्षीतप तपस्वियों का पारणा कार्यक्रम होगा।

प्रीतेश बुरड़, अध्यक्ष

विकास गुप्ता, सचिव

प्रीतेश बने एफटीएस युवा के नए अध्यक्ष, विकास बने सचिव

एफटीएस युवा बेंगलूरु की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समाजसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सांस्कृतिक उत्थान के उद्देश्यों को मजबूती प्रदान करने के लिए एफटीएस युवा बेंगलूरु की नई कार्यकारिणी समिति का गठन मंगलवार को किया गया जिसमें ऊर्जावान और अनुभवी कार्यकर्ताओं की नई टीम को जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं। नई कमेटी में वैभव गुप्ता व आशीष गुप्ता को मेंटोर, पूर्व अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल को शामिल किया गया तथा नए अध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रीतेश बुरड़, कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी पवन राजलीवाल व सचिव पद की जिम्मेदारी विकास गुप्ता को सौंपी गई है। आरती अग्रवाल व अकुंर जैन को उपाध्यक्ष, अमितसिंह व जयप्रकाश अग्रवाल को संयुक्त सचिव, साकेत गर्ग को कोषाध्यक्ष, मृदुल अग्रवाल को संयुक्त कोषाध्यक्ष, गणपत माली को संगठन सचिव, आयुष अग्रवाला को संयुक्त सचिव बनाया गया।मीतेश खंडेलवाल को गुरुकुल प्रभारी, रचना डालमिया को सदस्यता अभियान सहप्रभारी, दीपिका जैन व उत्तम बागरेचा को सारथी कार्यक्रम प्रभारी व अनिल मालवीय को फंड कलेक्शन प्रमुख का दायित्व सौंपा गया।

समिति सदस्य के रूप में गौरव अग्रवाल, एकता अनंत, डॉ. अभिषेक मोदी, प्रवीण गेहलोत, प्रह्लाद जोशी, अरुण शर्मा, शुभम लोहिया, पुनीत गोयल को शामिल किया है। युवा समिति के नए अध्यक्ष प्रीतेश बुरड़ ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारी टीम समाज की समृद्धि, शिक्षा का प्रसार, स्वास्थ्य जागरूकता और युवाओं के उत्थान के लिए कृतसंकल्पित है। हम सभी मिलकर समाज के हर वर्ग तक अपनी सेवाएँ पहुँचाएँगे। पूर्व अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल सहित अनेक वरिष्ठजनों व सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं

नौदिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को लेकर बैठकों का दौर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शहर में पहली बार, पद्मविभूषण से सम्मानित श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज श्राइन सभागार में होने जा रहा है। यह कथा रोजाना दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी। इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा के आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में समिति की ओर से रविवार को गोड़वाड़ भवन में बैठक का आयोजन किया गया जिसके विलंब से प्राप्त समाचार में संस्था के संस्थापक संजय शुक्ला ने बताया कि श्रीराम कथा की तैयारियाँ पूरे ज़ोर शोर से चल रही हैं। अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने कहा कि श्रीराम कथा के लिए मुख्य यजमान, दो सह-यजमान, दैनिक यजमान आदि बनाने सहित विभिन्न सेवा एवं सहयोग हेतु संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पद्मविभूषण से सम्मानित जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा से अधिक से अधिक सनातन धर्मप्रेमियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष सुरेश मोदी तथा गोडवाड़ भवन के कुमारपाल सिसोदिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए एवं महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने अपनी तरफ़ से श्रीराम कथा के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उद्योगपति सुनील बजाज ने एकदिवसीय यजमान बनने की घोषणा की। इस अवसर पर संजयसिंह, जोगिंदरसिंह, कुमार गौरव, मनोज पंडित, जटाशंकर मिश्रा, महिला मंडल से मीरा अग्रवाल, संतोष सिंघल, आकांक्षा सिन्हा, अंजू पांडेय, श्रीराम परिवार के उपाध्यक्ष सत्यदेव पांडेय, प्रदीप तिवारी, सहसचिव राजीव शुक्ला सहित अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। अंत में सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने धन्यवाद दिया।

मणिप्रभ स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत '1008 रक्तदाता समूह' का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सामुदायिक स्वास्थ्य और सेवा भावना को सशक्त बनाने की दिशा में खरतर सुविहित टीम द्वारा मंगलवार को मणिप्रभ स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत '1008 रक्तदाता समूह' का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य सक्रिय और समर्पित रक्तदाताओं का डेटाबेस तैयार करना है, जो आपातकालीन स्थितियों में भी जीवन रक्षक सहायता प्रदान कर सके।

इस जीवनदायिनी मिशन की शुरुआत के अवसर पर एक रक्त समूह परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर रक्तदान के लिए स्वयं को पंजीकृत कराया। '1008 रक्तदाता समूह' के माध्यम से सभी पंजीकृत रक्तदाताओं को एक विशेष व्हाट्सएप समूह से जोड़ा जाएगा, जहाँ पर नियमित रूप से रक्त की तत्काल आवश्यकताओं की जानकारी साझा की जाएगी, ताकि ज़रूरतमंद मरीजों तक समय रहते सहायता पहुँचाई जा सके। सभी सेवाएँ पूर्णतः स्वैच्छिक और निःशुल्क रहेंगी। इस पहल में अध्यात्म साधना केंद्र, नई दिल्ली एवं महावीर वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट, बेंगलूरु ने समर्थन दिया।

जैन कॉन्फ्रेन्स की राष्ट्रीय समिति बैठक में शामिल हुए कर्नाटक प्रांतीय पदाधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के प्रांतीय पदाधिकारियों ने नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय जैन कॉन्फ्रेन्स की राष्ट्रीय समिति बैठक में भाग लिया। कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ व प्रांतीय महामंत्री नेमीचन्द दलाल ने मंगलवार की बैठक में कर्नाटक प्रांत शाखा द्वारा पिछले तीन महीनों में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। विभिन्न योजनाओं के पदाधिकारियों ने अपनी प्रस्तुति दी। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ एवं योजनाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेशचंद छल्लाणी, पुखराज मेहता, राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, जीवनप्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल रांका, महामंत्री अशोककुमार धोका, वैयावच्च योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोककुमार रांका, महामंत्री रतनचंद सिंघी, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, डिजिटलाइजेशन समिति के राजीव सांखला, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य विशाल छल्लाणी व अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक एचडी रेवन्ना ने मुनिश्री पुलकितकुमार के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल एस विधायक एचडी रेवन्ना ने तेरापंथ मुनिश्री पुलकितकुमारजी व आदित्यकुमारजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रेवन्ना ने मुनिश्री का कर्नाटक धरती पर प्रथम बार पदार्पण करने के लिए अभिनंदन किया।

भेंट वार्ता के दौरान मुनिश्री ने आचार्यश्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा एवं स्वयं की कर्नाटक पदयात्रा के संदर्भ में कन्नड़ भाषा में जानकारी दी। विधायक रेवन्ना का साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर गौतम जैन, विमल पितलिया, अशोक कोठारी, पवन मांडोत, मनीष पितलिया आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मार्क कार्नी ने लिबरल पार्टी की जीत पर विजय संबोधन में कहा : ट्रंप हमें तोड़ना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश के संघीय चुनाव में सोमवार को लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप देश के लोगों को तोड़ना चाहते हैं।

ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकियों और व्यापार युद्ध ने लिबरल पार्टी की इस जीत में अहम भूमिका निभाई।

शुरुआती रुझानों के आधार पर अनुमान जताया गया कि लिबरल पार्टी संसद की 343 सीट में से कंजर्वेटिव पार्टी से ज्यादा सीट जीतेगी। यह अब तक स्पष्ट नहीं है कि लिबरल पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलेगा या नहीं।

चुनावी विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआत में कनाडा में माहौल लिबरल पार्टी के समर्थन में नहीं दिख रहा था लेकिन ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की कई बार बात की और उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर संबोधित किया। उन्होंने कनाडा पर जवाबी शुल्क भी लगाए। ट्रंप के इन कदमों से कनाडा की जनता में आक्रोश बढ़ गया और राष्ट्रवाद की भावना प्रबल होने के कारण लिबरल पार्टी को जीतने में मदद मिली।

कार्नी ने ओटावा में अपने विजय संबोधन में समर्थकों को संबोधित करते हुए अमेरिका की धमकियों के आगे कनाडा की एकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कनाडा और अमेरिका के बीच जारी पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रणाली समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''हम अमेरिकी विश्वासघात के सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन हमें उससे मिले सबक कभी नहीं भूलने चाहिए।'' कार्नी ने कहा, ''जैसा कि मैं महीनों से आगाह कर रहा हूं कि अमेरिका हमारी ज़मीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहता है। उन्होंने कहा, ''ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा ... कभी नहीं होगा। लेकिन हमें इस वास्तविकता को भी पहचानना होगा कि हमारी दुनिया मूल रूप से बदल गई है।''

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिवरे ने अपनी हार स्वीकार करते हुए कनाडावासियों के लिए लड़ते रहने का संकल्प जताया।

ट्रंप ने ट्रक चालकों के लिए अंग्रेजी में दक्षता अनिवार्य की, सिख समूह ने चिंता जताई

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में ट्रक चालकों के लिए अंग्रेजी में दक्षता हासिल करने की अनिवार्यता को लेकर एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसे लेकर सिख अधिकार समूहों ने चिंता जताई है।

इन समूहों ने कहा है कि इस आदेश का सिख समुदाय के ट्रक चालकों पर ''भेदभावपूर्ण प्रभाव'' पड़ सकता है और रोजगार में अनावश्यक बाधाएं पैदा हो सकती हैं।

'अमेरिका के ट्रक चालकों के लिए सड़क के सामान्य नियमों को लागू करना' शीर्षक वाले कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि अमेरिका के ट्रक चालक देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती, इसकी सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की आजीविका के लिए आवश्यक हैं।

सोमवार को जारी आदेश में कहा गया है कि ''अंग्रेजी में दक्षता पेशेवर चालकों के लिए सुरक्षा संबंधी अनिवार्यता होनी चाहिए। वे यातायात संकेतों को पढ़ने और समझने में सक्षम होने चाहिए, उन्हें यातायात सुरक्षा, सीमा गश्त, कृषि चौकियों और माल वजन-सीमा स्टेशन के अधिकारियों के साथ संवाद करना आना चाहिए।''

ट्रंप ने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा घोषित किया है।

'सिख कोलिशन' संगठन कहा कि वह ट्रंप के इस आदेश से ''काफी चिंता'' में है।

उसने कहा, ''हम समझते हैं कि इस आदेश के तहत परिवहन मंत्री सीन डफी को 'अंग्रेजी में दक्षता संबंधी अनिवार्यता के अनुपालन के लिए निरीक्षण प्रक्रियाओं को मजबूत करने के मकसद से'' कदम उठाने का निर्देश दिया जाएगा।

दिन्डी महोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के भावसार क्षत्रिय समाज द्वारा हंपीनगर स्थित वीर आंजनैया देवस्थान में 8वें दिन्डी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कश्मीर पहलगाम आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

साध्वियों व तपस्वियों के तप के अनुमोदनार्थ गाए प्रभाती चौबीसी गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में विराजमान साध्वीश्री आगमश्रीजी के 34वें, तत्वज्ञाश्रीजी के 28वें, संपूर्णाजी के 6ठे वर्षीतप एवं अलसूर के वर्षीतप तपस्वियों के तप संपूर्ति प्रसंग पर प्रभाती चौबीसी गीत का आयोजन किया गया जिसमें अलसूर की श्राविकाओं ने चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की तथा तपस्या की अनुमोदना में गीत गाए। अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने उपस्थित जनों को बताया कि अलसूर में यह पहला प्रसंग है जब एक साथ तीन साध्वियों के वर्षीतप के पारणे का अवसर आया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा अलसूर संघ से अनेक श्रावक श्राविकाओं ने भी भगवान आदिनाथ के तप की अनुमोदना में वर्षीतप किया। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए तप की अनुमोदना की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com